mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-346 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

17 दिसंबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

टिम साउदी ने ...

@ पेज 7

लोकसभा में आज पेश होगा वन नेशन वन इलेक्शन से संबंधित विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र से एक देश एक चुनाव या फिर वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी सामने आई है कि कल यानी मंगलवार 17 दिसंबर 2024 को

● केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल इस विधेयक को पेश करेंगे।

निचले सदन लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़ा विधेयक पेश किया जाएगा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल इस विधेयक को पेश करेंगे। बता दें कि वन नेशन वन इलेक्शन मोदी सरकार के सबसे अहम चुनावी वादों में से एक है।

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान संशोधन विधेयक मंगलवार को संसद में पेश किए जाने की संभावना है। पीटीआई के सूत्रों की मानें तो इसे दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा जा सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीते सप्ताह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का निर्णय लिया, लेकिन स्थानीय निकाय चुनाव किस प्रकार कराए जाएंगे, इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े विधेयक को 16 दिसंबर को सदन के के कामकाज के एजेंडे के रूप में लिस्ट किया गया था। हालांकि, अब इसे अब मंगलवार को लोकसभा में पेश किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, मोदी सरकार ने विधेयक की प्रतियां सांसदों को बांट दी हैं ताकि वे इसका अध्ययन कर सकें। आपको बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को खत्म हो रहा है। इसलिए सरकार के पास वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े इस बिल को पेश करने के लिए केवल 4 दिनों का समय शेष है।

डीएमके, तृणमूल कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दलों ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के बारे में चिंता व्यक्त की है। विपक्षी दलों का तर्क है कि ये नियम देश के संघीय ढांचे को बाधित कर सकता है, क्षेत्रीय दलों को कमजोर कर सकता है और केंद्र में सत्ता केंद्रित कर सकता है। वहीं, सत्ता पक्ष का कहना है कि वन नेशन वन इलेक्शन का कदम लागत प्रभावी और शासन-अनुकूल होगा और यह समय की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

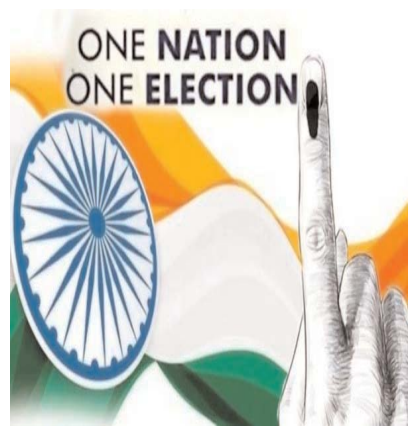

यूट्यूब पर बिना ऐड के वीडियो देखना होने वाला है और महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूट्यूब पर बिना ऐड के वीडियो देखना और महंगा होने वाला है। रिपोर्ट की मानें तो जनवरी से कंपनी यूट्यूब प्रीमियम के सब्सक्रिप्शन प्लान महंगा करने वाली है। कंपनी ने कुछ समय पहले ही यूट्यूब के सब्सक्रिप्शन प्लान में ग्लोबली बढ़ोत्तरी की थी। यूट्यूब का नया प्रीमियम सब्सक्रिप्शन प्लान 13 जनवरी 2025 से प्रभावी हो जाएगा। ऐसे में यूजर्स 12 जनवरी तक पुराने रेट में सब्सक्रिप्शन प्लान खरीद सकते हैं।

एक की रिपोर्ट के मुताबिक, यूट्यूब प्रीमियम सब्सक्रिप्शन प्लान अगले साल 13 जनवरी 2025 से महंगा हो जाएगा। कंपनी इसमें पहले के मकुबले 10 डॉलर ज्यादा चार्ज करने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल यूट्यूब प्रीमियम के बेसिक प्लान के लिए 72.99 डॉलर खर्च करना होता है। प्लान की दर रिवाइज होने के बाद यूजर्स को 82.99 डॉलर का खर्चा आएगा। इस तरह से यूजर को यूट्यूब प्रीमियम के लिए 10 डॉलर ज्यादा खर्च करना होगा।

भारत में यूट्यूब प्रीमियम की कीमत में फिलहाल इजाफे का ऐलान नहीं किया गया है। कंपनी ने कुछ महीने पहले ही भारत में यूट्यूब प्रीमियम प्लान महंगा किया है। हालांकि, जब भी ग्लोबल मार्केट में यूट्यूब प्रीमियम प्लान की दरें बढ़ाई गई हैं, भारत में भी देर-सबेर इसका असर देखा गया है। कंपनी का कहना है कि प्लेटफॉर्म की सर्विस को बेहतर बनाने के लिए प्लान की दरों में इजाफा किया जाएगा।

बच्चे के नाम को लेकर तलाक तक पहुंचा पति-पत्नी का रिश्ता

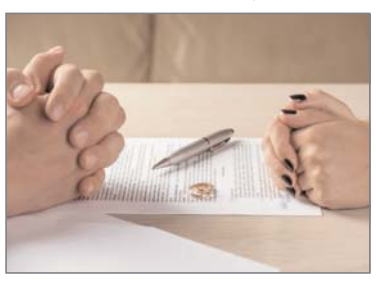

मैसूर (एजेंसी)। आपने बचपन से लेकर बड़े होने तक एक लाइन तो कई बार सुनी और बोली होगी। नाम में क्या रखा है, यही वो लाइन है जिसकी हम बात कर रहे हैं। यह लाइन मशहूर लेखक शेक्सपीयर की है। लेकिन अभी एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे जानकर आप हैरान भी होंगे और आपको यह भी समझ में आएगा कि जीवन में नाम की बहुत अहमियत है। क्योंकि एक नाम के कारण ही पति-पत्नी का रिश्ता तलाक तक पहुंच गया। खैर राहत की बात यह है कि कोर्ट की समझदारी के कारण यह तलाक नहीं हुआ और दोनों के बीच में सुलह हो गया। आइए आपको इस मामले की पूरी जानकारी देते

हैं। हम जिस मामले की बात कर रहे हैं वो मैसूर जिले का है जिसने साल 2021 में तुल पकड़ना शुरू किया। अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक साल 2021 में मैसूर में हुनसुर कपल के घर में एक बच्चा पैदा हुआ। इसके बाद जो महिला मां बनी थी वो अपने बेटे को %आदि% कहकर पुकारने लगी। मगर बच्चे का यह नाम आधिकारिक तौर पर कहीं रजिस्टर नहीं हुआ था। बच्चे के पिता को यह नाम पसंद नहीं आया और यहीं से मामले की शुरूआत हुई। दोनों के बीच में नाम को लेकर झगड़ा होने लगा। दरअसल पति चाहता था कि उसके बेटे का नाम भगवान शनि के नाम को दर्शाता हो। इसके बाद दो साल तक दोनों के बीच नाम के लेकर बहस जारी रही।

संभल में बिजली चोरी के खिलाफ योगी सरकार सख्त

संभल (एजेंसी)। जिले में पिछले 3 महीनों में बिजली चोरी के मामले में पुलिस ने 1250 एफआईआर दर्ज की है। इसके तहत अबतक बिजली चोरी के मामले में 5 करोड़ 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बता दें कि संभल में पिछले 2 दिनों में ही 90 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से 4 मस्जिद और 1 मदरसे से बिजली चोरी पकड़ी गई है। इन 2 दिनों में लगभग 1 करोड़ 75 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

बता दें कि बीते दिनों संभल की मस्जिदों-मदरसों और घरों में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई थी। इसके बाद से बिजली चोरी के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। इलाके में डीएम और एसपी ने सुबह 5 बजे ही छापेमारी कर दी। ये छापेमारी संभल सदर क्षेत्र के नखासा और दीपासराय इलाकों में बिजली चोरी के खिलाफ की गई। इस दौरान मस्जिद से बिजली चोरी के उपकरण मिले।

छापेमारी के बाद डीएम डॉ राजेन्द्र पेन्सिया ने कहा था कि बिजली चोरी के खिलाफ ऐसा अभियान चलाएंगे कि एक भी घर में बिजली की चोरी नहीं हो सकेगी। डीएम ने कहा था कि करीब 150-200 घरों में बिजली चोरी करते हुए पकड़ी गई है। डीएम ने कहा कि मस्जिद, मदरसे और घरों में बिजली चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया जाएगा और उनसे वसूली भी की जाएगी।

डीएम ने बताया था कि सुबह पांच बजे में लाउडस्पीकर की जांच करने आए थे। इलाके में देखा कि बड़े पैमाने पर कटिया लगी थी। जांच में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई। डॉ राजेन्द्र पेन्सिया ने बताया कि हमने करीब 150-200 घरों और उसके आस-पास 5-6 मस्जिदों को देखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- प्रदूषण को लेकर उसकी सुनवाई दिल्ली एनसीआर तक सीमित नहीं

प्रदूषण देशव्यापी समस्या, बढ़ा रहे सुनवाई का दायरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण के मसले पर उसकी सुनवाई सिर्फ दिल्ली एनसीआर को लेकर सीमित नहीं रहेगी। कोर्ट देश भर में प्रदूषण को लेकर सुनवाई करेगा।कोर्ट ने आगे कहा कि प्रदूषण देशव्यापी समस्या है, लिहाजा हम इस सुनवाई का दायरा बढ़ा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों के बारे में जानकारी मांगी है। स्ट ने सरकार से पूछा है कि क्या दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर देश के दूसरे प्रदूषित शहरों में भी एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन जैसी व्यवस्था की जा सकती है? कोर्ट ने कहा कि ये ग़लत मैसेज नहीं जाना चाहिए कि चूंकि स्ट दिल्ली में है, इसलिए कोर्ट की चिंता सिर्फ दिल्ली के प्रदूषण को लेकर ही है।

सुप्रीम कोर्ट ने ठेस कचरे से निपटान को लेकर जरूरी जानकारी उपलब्ध न कराने पर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने

19 दिसंबर को होने वाली सुनवाई में चीफ सेक्रेट्री को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा। कोर्ट ने कहा कि अगर अगली सुनवाई तक चीफ सेक्रेट्री 11 नवंबर के हमारे आदेश पर अमल को लेकर हलफनामा दायर नहीं करते हैं तो हम अवमानना की कार्रवाई शुरु करेंगे।

वहीं, दूसरी तरफ दिल्ली-एनसीआर रीजन में ग्रैप 3 को एक बार फिर ले लागू कर दिया गया है। इसके तहत कंस्ट्रक्शन और विध्वंस से जुड़े कार्यों पर कंप्लीट रोक लग जाएगी। साथ ही एनसीआर राज्यों से अंतर-राज्यीय बसों को दिल्ली में प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों, सीएनजी वाहनों और बीएस चार डीजल बसों को राहत दी गई है।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड, पहाड़ी में तापमान माइनस 3

राजस्थान (एजेंसी)। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी जारी है। कई जिलों में पारा शून्य के नीचे जा रहा है। सिरोही जिले में भी सर्दी का प्रकोप जारी है। हिल स्टेशन माउंट आबू पर सर्द हवाओं से लगातार ठिठुरन बढ़ रही है। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं से माउंट आबू में कड़ाके की सर्दी का दौर

पांचवे दिन शनिवार को भी जारी रहा। सुबह जगह-जगह बर्फ जमी नजर आई। शनिवार को सुबह अलग- अलग जगह पारे में उतार-चढ़ाव रहा। कुम्हारवाड़ा, चाचा म्यूजियम, पोलो ग्राउंड, मुख्य बाजार, गुरु शिखर, हेटमजी, आरना, ओरिया, अचलगढ़ में पारा माइनस 2 डिग्री तक लुढका, जबकि नक्की झील समेत शहर में पारा 1.3 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को शहर का न्यूनतम पारा 1.2 डिग्री और अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट में अचानक 10 छात्र-छात्राएं हुए बेहोश

सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां के महेश नगर इलाके में स्थित एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ रहे 10 स्टूडेंट्स रविवार शाम अचानक बेहोश हो गए। इन सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी छात्रों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ऐसा संभवतः गटर की गैस या संस्थान में ऊपर छत पर बने किचन के धुंए के कारण हुआ।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गटर से बदबू आने और भवन की छत पर बनी रसोई में तड़का लगाने के कारण धुआं नीचे तक आ गया, जिसकी वजह से कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ रहे बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हुई और वह बेहोश हो गए। उन्होंने बताया कि बेहोश होने वालों में 8 लड़कियां, दो लड़के और एक खानसामा भी शामिल है। अधिकारियों ने 'भोजन विषाक्तता' की आशंका को खारिज करते हुए कहा कि पीड़ित स्टूडेंट्स की हालत अब 'सामान्य' है। इलाके में स्थित एक प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि सांस लेने में दिक्कत के कारण यहां सात बच्चों को भर्ती करवाया

गया था हालांकि दो बच्चों को अन्यत्र ले जाया गया। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को सांस लेने में समस्या थी और उन्हें लगातार खांसी हो रही थी लेकिन उन्हें कोई अन्य समस्या नहीं थी। फिलहाल पुलिस गैस रिसाव के कारण और उससे जुड़ी जानकारी जुटाने में पुलिस लगी हुई है। इधर, घटना के बाद अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में युवाओं की भीड़ जमा हो गई। राजस्थान यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और घटना का विरोध किया। इस दौरान पुलिस और युवाओं में तनातनी हो गई। बाद में अस्पताल के बाहर निर्मल चौधरी समर्थकों के साथ घरने पर बैठ गए।

मुस्लिमों के जुलूस हिन्दू इलाकों से निकल सकते हैं तो हिन्दुओं के मुस्लिम इलाके से क्यों नहीं?

उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र में सीएम योगी ने दी वॉर्निंग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है। सत्र के पहले दिन ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर कड़ा हमला बोला है। सीएम योगी ने संभल में हुई हिंसा समेत तमाम मुद्दों पर विपक्ष को आइना दिखाया है। सीएम योगी ने साफ तौर पर ये भी कह दिया है कि जब मुस्लिम पर्व त्योहार के जुलूस हिन्दू इलाकों से निकल सकते है, तो हिन्दू पर्व त्योहार के जुलूस मुस्लिम इलाके से क्यो नहीं निकल सकते।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सीएम योगी ने अराजक तत्वों को चेतावनी देते हुए साफ तौर पर कहा कि प्रदेश के अंदर अगर किसी मुस्लिम या अन्य मत मजहब के पर्व त्योहार में कोई समस्या नही खड़ी नही होती, तो फिर हिन्दू पर्व त्योहार पर अगर समस्या खड़ी करेगा तो सरकार सख्ती से निपटने का काम करेगी।

सीएम योगी ने विधानसभा में संभल

विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा ÷आप चाहते हैं कि आपके पर्व और त्योहार तो शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाएं। आपके संभल में तो सिया सुन्नी का भी विवाद हुआ था.. 1976 में पूरा विवाद तो शिया सुन्नी का था। उस समय जमा मस्जिद की कब्जे को लेकर के इसी बात का विवाद था। आप लोग इस सच पर धूल मत डालिए और लखनऊ का सिया सुन्नी विवाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय ही समाप्त हुआ था... आप लोग तो यहां पर सिया और सुन्नी को भी लड़ाते थे क्योंकि आपकी तो शुरू से ही राजनीति थी बांटने की और फिर कटवाने की और इसलिए फिर हमने कहा कि ना बटेंगे न कटेंगे ...हम ना बटेंगे और न कटेंगे।÷

भारत में बाबर और औरंगजेब की परंपरा नहीं रहेगी: योगी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा- ÷शफीकुर्रहमान बर्क ने कभी भी खुद को भारत का नागरिक नही माना,वो कहते थे कि मैं बाबर की संतान हूं..आप भी मानते होंगे। ये आपको तय करना है कि आप आक्रांताओं को अपना आदर्श मानते हैं, या राम कृष्ण और बुद्ध की परम्परा को अपना आदर्श मानते हैं, भारत में राम कृष्ण बुद्ध की परंपरा ही रहेगी, बाबर और औरंगजेब की परंपरा नहीं रहेगी।÷

खान सर ने चुनाव लड़ने को लेकर दिया बड़ा बयान

बीमार होने के बाद पहली बार आए सामने

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में हाल ही में के छात्रों ने प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन में पटना के बहुचर्चित शिक्षक खान सर भी शामिल हुए थे। वहीं प्रदर्शन के दौरान खान सर की तबीयत खराब हो गई थी। तबीयत खराब होने के बाद खान सर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज किया गया। वहीं अब तबीयत खराब होने के बाद खान सर ने बयान दिया है। खान सर ने कहा है कि छात्रों के प्रदर्शन की वजह से मैं वहां पर गया था। उन्होंने बताया कि उनकी तबीयत पहले से ही खराब थी।

पटना के बहुचर्चित शिक्षक और यूट्यूबर खान सर ने कहा, %पुलिस ने मेरे साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार नहीं किया। मैं पिछले 1.5 महीने से बीमार था। मैंने सोचा कि बीपीएससी परीक्षा समाप्त होने के बाद उचित इलाज कराऊंगा। मैं कोचिंग ही पढ़ा के निकला तब तक छात्रों के प्रदर्शन का पता

चला। छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया इसलिए मैं वहां गया। मैंने सोचा कि अगर मैं भी इन्हें छोड़ दूंगा तो छात्रों की मांग पूरी नहीं होगी, इसलिए मैं वहीं रुक गया और इस तरह मेरा स्वास्थ्य और खराब हो गया।%

वहीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में %नॉर्मलाइजेशन% पर खान सर न कहा, %नॉर्मलाइजेशन तब किया जाता है, जब परीक्षा एक दिन आयोजित नहीं की जा सकती या छात्रों की संख्या बहुत अधिक होती है। विभिन्न क्षेत्रों में, यदि छात्रों को अलग-अलग प्रश्न दिए जा रहे हैं, उदाहरण के लिए बिहार, भागलपुर, बक्सर और शिवगंज में, तो आप 3 अलग-अलग क्षेत्रों को अलग-अलग प्रश्न दे रहे हैं। इससे क्या होता है, यदि आप मुझे ये 3 अलग-अलग प्रश्न पत्र देते हैं। मुझे अलग अंक मिलेगा और मुझे सभी प्रश्नपत्रों के लिए समान अंक नहीं मिलेंगे। यह विशेष फॉर्मूला केवल गणित पर लागू किया जा सकता है, लेकिन यह सामान्य अध्ययन पर लागू नहीं होगा। छात्रों के साथ यह भेदभाव नहीं होना चाहिए।%

वहीं प्रदर्शन के बाद और अधिक चर्चा में आने के बाद खान सर से चुनाव लड़ने को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा, %मैं चुनाव नहीं लड़ना चाहता, मैं क्लियर कर देना चाहता हूं। 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान भी लोगों ने दिमाग खराब कर दिया था पूछ-पूछ कर, मैं मना करता रह गया। मुझे पढ़ाने से फुर्सत नहीं है। मैं चाहता हूं कि जल्दी से 2025 का चुनाव (बिहार विधानसभा चुनाव) खत्म हो, जवाब देते-देते थक गया हूं मैं, पढ़ाने से फुर्सत नहीं है मुझे।%

1 जनवरी से भीख देने वालों पर भी दर्ज होगी इंदौर शहर में प्रशासन की ओर से बड़ा ऐलान

इंदौर (एजेंसी)।मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में प्रशासन की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है। सोमवार को शहर के एक शीर्ष अधिकारी ने जानकारी दी है कि आने वाले 1 जनवरी 2025 से इंदौर में भिखारियों को भीख देने वाले लोगों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। प्रशासन ने ये फैसला इंदौर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने का लक्ष्य हासिल करने के प्रयास के तहत किया है। आइए जानते हैं इस फैसले के बारे में विस्तार से।

दरअसल, इंदौर शहर में 1 जनवरी से भीख देने वाले लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इंदौर के जिलाधिकारी आशीष सिंह ने कहा- ÷शहर में इस महीने (दिसंबर) के अंत तक भिक्षावृत्ति के खिलाफ हमारा जागरूकता अभियान चलेगा। आगामी एक जनवरी से अगर कोई व्यक्ति भिक्षा देते पाया गया, तो उसके खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।''

इंदौर के के जिलाधिकारी आशीष सिंह ने बताया है कि प्रशासन ने शहर में भिक्षावृत्ति को बैन करने वाला आदेश पहले से जारी कर रखा है। उन्होंने कहा- ÷मैं सभी इंदौरवासियों से अपील करता हूं कि वे लोगों को भीख देकर पाप में भागीदार न बनें।'' जिलाधिकारी आशीष सिंह ने इस बात की भी जानकारी दी है कि शहर के प्रशासन ने बीते कई महीनों में भीख मंगवाने वाले अलग-अलग गिरोहों का खुलासा किया है।

ग्रामीणों को उनके नजदीकी स्थान पर ही मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएँ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उनके ग्राम में ही मिले, इसके लिये राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का ग्रामीण स्तर पर तेजी से विस्तार कर रही है। मंत्री श्री सिंह शनिवार को नरसिंहपुर के गाडरवारा के ग्राम पचामा में 49 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर प्रदेश में जन-कल्याण पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान नागरिकों की समस्याओं का निराकरण उनके ही गाँव में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र बन जाने से ग्रामीणों को ब्लड-प्रेशर, शुगर, खून की जाँच, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण जैसे कामों के लिये दूर नहीं जाना पड़ेगा। उप स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ भी उपलब्ध रहेंगी। इस मौके पर पंचायत पदाधिकारी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में हिनौती गौधाम में कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों से अब तक हुए कार्य की जानकारी ली। उन्होंने शेड निर्माण, फेंसिंग कार्य, प्रशासनिक भवन निर्माण तथा हाई मास्क लाइट लगाए जाने की समीक्षा की। इस दौरान अध्यक्ष जनपद पंचायत गंगेव विकास तिवारी, समाजसेवी राजेश पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वीर बाल दिवस पर 26 दिसम्बर को स्कूलों में होंगे आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सिक्खों के 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान के मौके पर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर प्रदेश के स्कूलों में वीर पुत्रों के बलिदान पर केन्द्रित आयोजन होंगे। वीर बाल दिवस के मौके पर मेरे सपनों का भारत', 'मुझे किससे खुशी होती है', विषय पर चित्रकला, कहाी एवं निबंध लेखन की गतिविधियाँ होंगी। माध्यमिक स्तर के बच्चों के लिये 'राष्ट्र निर्माण में बच्चों की भूमिका और विकसित भारत के लिये मेरा दृष्टिकोण' विषय पर निबंध लेखन, कविता, वाद-विवाद एवं डिजिटल प्रेजेंटेशन होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि उनके जिले की शालाओं में प्रार्थना सभा में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों की प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाई जायें। प्लेटफार्म पर कहानियों के सत्र, रचनात्मक लेखन, पोस्टर निर्माण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता करायी जाये।

सामाजिक न्याय मंत्री श्री कुशवाह नई दिल्ली में राष्ट्रीय सलाहाकार बोर्ड बैठक में शामिल हुए

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक में भाग लिया। बैठक केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस बैठक में दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए प्रयासों पर चर्चा की गई। मंत्री श्री कुशवाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं और नवाचारों की जानकारी भी साझा की। बैठक में दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया।

शासन की योजनाओं का लाभ समस्त पात्र हितग्राहियों तक पहुचाने का अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का आयोजन 11 दिसंबर से प्रारंभ होकर 26 जनवरी 2025 तक किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य केन्द्रीय एवं राज्य शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को प्राप्त हो यह सुनिश्चित करना है। अभियान में भोपाल के शहरी क्षेत्र में नगर निगम के 85 वार्डों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर पर सर्वेक्षण के लिए विशेष दलों का गठन किया गया है। इन दलों को घर-घर जाकर शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाना है।

टी.बी. को हराने और देश को जिताने में लगाए पूरी शक्ति और जोश-राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि टी.बी. को हराने और देश को जिताने के लिए भरपूर जोश और शक्ति के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने टी.बी. उन्मूलन अभियान में योगदान के लिए नागरिकों से अपील की है। उन्होंने कहा है कि निक्षय मित्र योजनाओं में पांच सौ, हजार रुपए का योगदान किसी के प्राणों की रक्षा कर सकता है। जनता के प्राणों की रक्षा के उद्देश्य के भाव के साथ टी.बी. सील अभियान में सहयोग करें। राज्यपाल श्री पटेल आज क्षय भवन में आयोजित 75वें टी.बी. सील विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर 75वीं टी.बी. सील का विमोचन किया। प्रतीकात्मक रुप से टी.बी. के 5 रोगियों को फूड-बास्केट प्रदान की। टी.बी. चैम्पियन और दो निक्षय मित्रों का सम्मान किया। राज्यपाल का कार्यक्रम में शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। विमोचन कार्यक्रम में मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी भी उपस्थित थे।राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि टी.बी. के बारे में जानकारियों का प्रसार रोग उन्मूलन की प्राथमिक आवश्यकता है। उन्होंने सूदूर अंचलों और वंचित क्षेत्रों में टी.बी. रोग के बारे में जन जागरण के प्रयासों पर बल दिया है। कहा है कि सामुदायिक स्तर पर संवाद कायम किया जाए। रोग के लक्षणों से हर घर को परिचित कराए। बताए कि रोग को छिपाना जानलेवा होगा। रोग की शीघ्र जांच, नियमित दवाइयों का सेवन और विटामिन युक्त पोषण आहार से गम्भीर से गम्भीर टी.बी. रोगी स्वस्थ हो सकता है। उन्होंने कहा कि टी.बी. रोगियों के साथ ही रोग बचाव के संबंध में परिजनों और परिचारकों को भी सूचित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रोग उपचार के साथ रोग बचाव पर भी ध्यान केन्द्रित करने की जरुरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि उज्ज्वला गैस योजना श्री मोदी के जनजातीय क्षेत्रों के भ्रमण के अनुभवों से टी.बी. रोग उन्मूलन की पहल है। उन्होंने बताया कि एक समय के भोजन के लिए रसोई के चूल्हें से निकलने वाला धुआँ 60 सिगरेटों के धुंए के बराबर घातक होता।

मंत्री श्री सारंग ने कोसमघाट में वाटर स्पोर्ट के लिए किया स्थल निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने रविवार को जबलपुर में गौर नदी के पास स्थित कोसमघाट में वॉटर स्पोर्ट के लिए स्थल निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने बताया कि भारतीय सेना द्वारा वर्ष 2015 से इस क्षेत्र में रोइंग वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी का संचालन किया जा रहा है। राज्य शासन और सेना द्वारा संयुक्त रूप से इस क्षेत्र को वॉटर स्पोर्ट्स का हब बनाने के लिए संभावनाएँ तलाशी जा रही हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वप्न को साकार करने राज्य शासन द्वारा खेल, खिलाड़ी और खेल मैदान को विकसित करने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री श्री सारंग ने प्रदेश में वॉटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ होने की जानकारी भी दी। इस दौरान विधायक सर्वश्री अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, कमलेश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष श्री प्रभात साहू, कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय एवं सेना के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

साकेत नगर की क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का निर्माण मेट्रो एजेंसी से कराएंगे -राज्यमंत्री श्रीमती गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने रविवार को गोविंदपुरा क्षेत्र में 2 करोड़ 60 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर साकेत नगर के रहवासियों ने उनके क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों की शिकायत की तो उन्होंने कहा कि जो सड़कें मेट्रो के निर्माण के चलते खराब हुई है उनका निर्माण मेट्रो एजेंसी से जल्द से जल्द कराया जाएगा। उन्होंने गोविंदपुरा क्षेत्र के रहवासियों की विभिन्न समस्याओं को सुना, साफ-सफाई और लो प्रेशर से पानी आने की शिकायत मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को समस्या के निराकरण के लिए निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने साकेत नगर के वार्ड 57 में शक्ति नगर, रंसरंग स्वीट्स के पीछे एक करोड़ 5 लाख की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। साकेत नगर में 40 लाख रूपये की लागत के 4, और क्र में डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। 41 लाख रूपये के साकेत नगर 2 सी में जय मां दुर्गा भवानी मंदिर के पास बाउंड्री वॉल, शौचालय, सड़क और नाली के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया।

रैन बसेरा का भौतिक सत्यापन कर उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिले रैन बसेरों का भौतिक सत्यापन कर उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जनकल्याण पर्व एवं अभियान की जिलों में दौरा कर कार्यों की सतत समीक्षा करें। अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जहां पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया जाएगा। सभी पात्र व्यक्तियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने आज कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री विनोद यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समय-सीमा अंकित पत्रों का निराकरण करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने आगामी समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए चिन्हित सीएम हेल्पलाइन विषयों पर लंबित शिकायतों की समीक्षा की एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। कृषि, सहकारिता, मार्कफेड एवं खाद्य विभाग को सोयाबीन उपार्जन, उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं निरंतर मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा निर्देश दिए गए कि सतत समीक्षा कर निर्धारित समय पर कृषकों को सोयाबीन खरीदी का भुगतान किया जाए।

उन्होंने सोयाबीन एवं धान खरीदी की समीक्षा कर प्रगति की जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा जल निगम के अंतर्गत हस्तांतरित होने वाली नल जल योजनाओं, समूह नल जल योजनाओं की स्थिति में सभी आबादी क्षेत्रों तथा सभी घरों तक पानी पहुँचाने एवं सभी घरों में नल कनेक्शन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। योजना के फायदे, समस्या एवं क्रियाशीलता की निरंतर समीक्षा की जाए।

स्थानीय उत्पाद जैसे कोदो-कुटकी, लोह शिल्प आदि की ब्रांडिंग करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को डिण्डोरी जिले में विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। मंत्री श्रीमती बागरी ने पीएम जनमन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में सभी टोलाओं तक विद्युत् आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं सभी लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

श्रीमती बागरी ने जिले जलआपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए मुड़की जलाशय, अपर नर्मदा, राघोपुर,बसनिया, बिलगांव आदि प्रोजेक्ट पर समीक्षा की, जिसमें बताया गया कि राघोपुर परियोजना के तहत 3 गाँव का सर्वे शेष है। मंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर लोगों को बांध निर्माण के लिए जागरूक करें। बाँध निर्माण के लाभ बताये,बसनिया बाँध के संबंध में प्रभारी मंत्री से चर्चा कर सुगम मार्ग निकालेंगे,जिससे क्षेत्र का विकास हो सकेगा।

प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने सभी क्षेत्रों में प्रत्येक एम्बुलेंस के लिए बैकअप एम्बुलेंस तैयार करने के लिए योजना बनाने के लिए निर्देशित किया। जिला अस्पताल में एक्स रे और सोनोग्राफी मशीन को संचालित करने के लिए शीघ्र संचालन करने के लिए निर्देश दिए। श्रीमती बागरी ने नगर में स्वच्छता में सुधार करने के लिए निर्देशित करते हुए, कहा कि सीएमओ एक सप्ताह के अंदर सुधार लाएं, कार्य ना होने की स्थिति में कार्यवाही की जाएगी।

प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने आजीविका मिशन के तहत स्थानीय उत्पादों के लिए प्रचारित करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि बस स्टॉप,रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों पर उत्पाद बिक्री के लिए कार्य कर स्थानीय उत्पाद जैसे कोदो कुटकी, लोह शिल्प आदि की ब्रांडिंग करें।

अंधेरी रात के बाद का उजला सवेरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उसने अपनी जिंदगी में कभी ऐसे दिन भी देखे, जब उसके उदर में अन्न का दाना तक न था, सर छुपाने को कोई ठिकाना न था, उदासी थी, मायूसी थी और बस न-उम्मीदों का एक डरावना सा ताना-बाना था। पर दिन सबके बदलते हैं, उसके भी बदल गये। जिंदगी से अबतक जो दर्द मिले थे, वो सर्द हवाओं की तरह फिज़ाओं में फ़ना हो गये।

बदलाव की यह कहानी शिवपुरी जिले की है। यहां के हातोद ब्लॉक में रहने वाली श्रीमती शांति सहरिया एक समय अपनी झोपड़ी में कठिनाइयों भरा जीवन जीती थीं। उनके परिवार के लिए रोजमर्रा की जरूरतें भी संघर्ष का विषय था। दिहाड़ी मजदूरी से जो कुछ थोड़ी सी कमाई होती, वो उदर पोषण में ही चली जाती। बरसात में उनकी झोपड़ी टपकती और रातें जागते हुए कटती थीं। पढ़ाई-लिखाई और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं उनके लिए सपना थीं। लेकिन आज शांति सहरिया और उनका परिवार एक सुखद बदलाव का अनुभव कर रहा है।

शांति बताती हैं पहले हमारा जीवन बहुत कठिन था। खाने-पीने का कोई ठिकाना ही न था। न पक्का घर था, न कोई स्थायी रोजगार। पानी के लिए कुएं तक जाना पड़ता था और बच्चों को स्कूल भेजना तो बड़ा ही मुश्किल काम था।

इस बदलाव की शुरुआत हुई सरकार की योजनाओं से। पीएम आवास योजना के तहत शांति के परिवार को एक पक्की कुटीर मिली। इससे उनका जीवन सुरक्षित और सुविधाजनक हुआ। अब उनका परिवार पूरी कॉलोनी में पक्के मकान के साथ एक सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

शांति खुशी-खुशी बताती हैं - अब हमारे पास अपना घर है, जो बरसात में भी सुरक्षित रहता है। पक्की सड़कों से हम शहर तक आसानी से जा पाते हैं। घर-घर तक नल से जल आने से पीने के पानी की समस्या भी खत्म हो गई है।

इसके अलावा आय का जरिया विकसित करने के लिए शांति ने बकरियां पालना शुरू किया। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत मिले गैस सिलेंडर ने उनके परिवार को चूल्हे के धुएं से स्थायी राहत दे दी। आयुष्मान भारत (निरामयम) योजना से अब उनका परिवार स्वास्थ्य उपचार सेवाओं का मुफ्त लाभ ले सकता है।

हम हर महीने पोषण आहार की राशि प्राप्त करते हैं, जिससे हमारे बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है। अब मुझे विश्वास है कि मेरे बच्चे पढ़-लिखकर एक अच्छा जीवन जी सकेंगे। शांति गर्व के साथ कहती हैं।

आज शांति और उनका परिवार अपने नए जीवन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को दिल से धन्यवाद देते हैं।

शांति की कहानी एक जीवंत उदाहरण है कि सामूहिक प्रयासों से समाज और गरीबों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

दो राज्यों के किसानों की तकदीर बदलेगी पार्वती-कालीसिंध-चबल लिंक परियोजना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के स्वप्न को साकार करने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच समझौता कराते हुए पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को मूर्त रूप दिया। इसकी शुरूआत मध्यप्रदेश की पावन भूमि से होने जा रही है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में विशेष प्रयास कर मालवा और चंबल क्षेत्र के 11 जिलों के 2012 ग्रामों की तस्वीर और तकदीर बदलने में महती भूमिका निभाई है। यह परियोजना मध्यप्रदेश के गुना, शिवपुरी, सीहोर, देवास, राजगढ़, उज्जैन, आगर-मालवा, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर एवं मुरैना के किसानों को सिंचाई के लिये भरपूर पानी और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आने के साथ उनकी फसलें भी लहलहा उठेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश और राजस्थान को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने वाली पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिये त्रि-स्तरीय अनुबंध प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी में 17 दिसम्बर को जयपुर में होगा। यह दिन मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए ऐतिहासिक होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा मध्यप्रदेश और राजस्थान को दी गई पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की अनूठी सौगात दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का मालवा अंचल औषधीय फसलों के साथ अन्य फसलों के उत्पादन में अग्रणी रहा है। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रूपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। इस परियोजना से मध्यप्रदेश में लगभग 6 लाख 13 हजार हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। इससे 40 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किये जाएंगे।

पीएम 25 को करेंगे केन-बेतवा लिंक परियोजना का उद्घाटन

पन्ना-छतरपुर के बीच खजुराहो में होगा कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। केन-बेतवा लिंक परियोजना का उद्घाटन 25 दिसंबर को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खजुराहो में एक कार्यक्रम के दौरान नदी जोड़ो के इस बड़े प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इसकी तैयारियां पन्ना और छतरपुर प्रशासन ने शुरू कर दी हैं। न्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि जिले के 388 गांव इस परियोजना से लाभांवित होंगे।

दरअसल, केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत पन्ना जिले की केन नदी व बेतवा नदी को जोड़ा जाना हैं। इसके उद्घाटन की तारीख तय हो गई हैं। 15 साल से अटकी केन-बेतवा लिंक परियोजना का काम जल्द शुरू हो जाएगा।

मप्र को 1834 मिलियन क्यूबिक मीटर व यूपी को 750 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलेगा

इस परियोजना से मध्य प्रदेश को 1834 मिलियन क्यूबिक मीटर व यूपी को 750 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलेगा। इस योजना से पन्ना-छतरपुर, सागर-विदिशा समेत 8 जिलों को पानी पहुंचाने की कार्ययोजना बनाई गई है।

केन में बनेगा मुख्य बांध: प्रोजेक्ट में पन्ना जिले की केन नदी पर ढोड़न गांव के पास बांध बनाकर पानी रोका जाएगा। यह पूरा एरिया विस्थापित किया गया है। परियोजना के काम होते ही सालाना करीब 10.62 लाख हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई का लक्ष्य तय किया गया है। 62 लाख लोगों को पीने के पानी के साथ 103 मेगावॉट हाइड्रो पावर भी पैदा किया जाएगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना में दो बिजली प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 72 मेगावॉट है।

परियोजना से बुंदेलखंड के उप्र और मप्र के 12 जिलों को पानी मिलेगा। मप्र के पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी को पानी मिलेगा। वहीं उत्तर प्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर जिलों को राहत मिलेगी।

विभागीय अधिकारी छात्रावासों का करें निरीक्षण

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिया निर्देश, बोले- जनकल्याण के कार्यों में न बरतें लापरवाही

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में समीक्षा बैठक की। इसमें विभागों की विभागवार समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित होने वाले जन कल्याण शिविर की जानकारी ली। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने अनुभाग क्षेत्रांतर्गत आयोजित होने वाले जन कल्याण शिविरों का निरीक्षण कर लोगों की समस्या सुने और प्राप्त आवेदनों का निराकरण यथा संभव कराएं।

छात्रावासों की लगातार करें निगरानी: कलेक्टर ने राजस्व, शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अधिकारी अपने विभागीय दौरे के दौरान छात्रावासों का भी निरीक्षण करें और छात्रावासों में दी जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी लें। छात्रावासों में किसी भी प्रकार की कोई कमी पाए जाए तो इसकी जानकारी भी दें।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत करें अटेंड: कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारी गंभीरता से लें और शिकायतों के निराकरण करने की कार्रवाई करें। अधिकारी स्वयं शिकायत को अटेन्ड करें।

महिला ने चार लोगों पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

पुलिस ने मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया, पीड़िता ने एसपी से शिकायत की

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के ईसानगर थाना क्षेत्र की एक महिला ने चार लोगों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया हैं। महिला ने सोमवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर बताया कि थाना 8 दिसंबर को उसके साथ गांव के चार लोगों ने पुलिस ने दुष्कर्म किया था। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में केस नहीं दर्ज करते हुए, मामूली मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया।

महिला ने एसपी से जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। एसपी ने कहा जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

चोर लोगों पर रेप करने का आरोप: जानकारी के अनुसार पीड़ित महिला ईसानगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली हैं। उसके तीन बच्चे हैं। उसका पति किसान है। पिछले रविवार 8 दिसंबर को पति-पत्नी खेत पर रखवाली के लिए गए थे। खेत में ही बने एक झोपड़ी में दोनों पत्नी पति सो गए। सुबह करीब 5 बजे जब पत्नी बाथरूम के लिए बाहर निकली तो गांव के अखिलेश पटेल सहित तीन अन्य लोग उसके मुंह में कपड़ा लगाकर उठाकर एक पहाड़ी पर ले गए। जहां उसके साथ चारों लोगों ने जबरन दुष्कर्म किया, उसके बाद उसे बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग गए। 4 घंटे बाद सुबह 9 बजे जब महिला को होश आया तो उसके बदन पर कपड़े नहीं थे। उसने पास के लोगों को जानकारी दी लोगों ने वन विभाग की टीम को जानकारी दी।

पुलिस ने मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया: वन विभाग की टीम ने थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कपड़े और अन्य सामग्री जब्त की। महिला को थाने ले गई और परिजन को सूचना दी। जहां पुलिस ने मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी अगम जैन ने कहा कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

महिला का आरोप है कि पुलिस ने उसके बताए अनुसार रिपोर्ट दर्ज नहीं की है, बल्कि मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। जबकि उसके पुलिस को बताया था कि गांव के अखिलेश पटेल सहित अन्य तीन लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। पुलिस ने सबूत भी जब्त किए थे, इसके बावजूद मारपीट के धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है।

थाना प्रभारी ने दोनों के बीच पुराना विवाद बताया: ईसानगर थाना प्रभारी शैलेंद्र सक्सेना ने बताया कि इस मामले में जांच पड़ताल की गई थी। जांच में पाया गया था कि महिला और गांव की अखिलेश पटेल का पुराना विवाद चल रहा है। जिसको लेकर 4 महीने पहले छेड़छाड़ की शिकायत की गई थी। उसके बाद अब दुष्कर्म की झूठी शिकायत की गई है, हालांकि इस मामले में मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में गणित सप्ताह का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में गणित सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय (अग्रणी)सीधी के प्राचार्य डॉ. पी.के.सिंह उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. गुलशेर अहमद एवं डॉ. दिलीप सोनी शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई .पी.प्रजापति ने की। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ कि गई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. पंकज मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ राजेश पटेल, डॉ रामधारी जायसवाल, डॉ अनुराग तिवारी, डॉ सुरेंद्र गुप्ता, डॉ संध्या वर्मा, प्रो.प्रवीण कुमार, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ आकांक्षा मिश्रा, डॉ ज्योति रजक, डॉ अमिता खरे, डॉ पूजा गर्ग, सुंदर लाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राये ऊपस्थित थे।

कोतवाली पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर को किया गिरफ्तार

चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद, कई दिन से तलाश रही थी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में एक आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार किए है। आरोपी के पास से चोरी की दो मोटरसाइकिलें, जिसकी कीमत 1 लाख 60 हजार रुपए हैं।

राकेश सिंह गोंड निवासी गोलदा थाना धनपुरी, जिला शहडोल ने 15 दिसंबर को कोतवाली अनूपपुर में बाईक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि ग्राम निदावन में शादी समारोह में शामिल होने के दौरान उनकी नई मोटरसाइकिल घर के बाहर से चोरी हो गई। रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिए। पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर आरोपी राजू सिंह गोंड (उम्र 24 वर्ष), निवासी ग्राम बनगवां पुलिस चौकी फुनगा को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई। थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताए कि आरोपी से पूछताछ में ग्राम फुनगा निवासी राजेश कुमार पटेल की एक दिन पूर्व चोरी हुई आरोपी के पास बरामद की गई।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड: गिरफ्तार आरोपी राजू सिंह गोंड पर पहले भी मोटरसाइकिल चोरी के मामले दर्ज हैं। वह 4 अक्टूबर को ग्राम फुनगा में पटवारी कार्यालय के सामने से रोहणी प्रसाद केवट की मोटरसाईकिल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

घर में संदिग्ध हालत में मिले दंपती के शव

लवकुश नगर क्षेत्र की घटना, रात को सोने गए सुबह माता- पिता को लाश मिली

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। लवकुश नगर थाना क्षेत्र ग्राम मिड़का में सोमवार सुबह एक घर में संदिग्ध हालत में दंपती के मृत मिलने की मामला सामने आया हैं। एडिशनल एसपी विक्रम सिंह ने बताया कि रविवार देर रात किसान मनोज पाल (27) और उसकी पत्नी ज्योति खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे।

सुबह 9 बजे खेत में काम करने गए मनोज के माता - पिता जब वापस लौटे, तो उन्हें घर के दरवाजे अंदर में बंद मिले। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों को आवाज देकर छत के रास्ते दरवाजे खुलवाए। जहां कमरे में एक ही खाट पर दोनों दंपती मृत पाए गए।

पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए लवकुश नगर अस्पताल भेज दिया गया हैं। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने बाद ही मौत की वजह पता चल पाएगी।

शहडोल जिला अस्पताल में मरीज के अटेंडर से लूट

खुद को सीआईडी अधिकारी बताकर नकदी और मोबाइल ले गए नपा के 2 सफाई कर्मचारी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल जिला अस्पताल में नगर पालिका के दो सफाई कर्मचारियों ने खुद को सीआईडी का अधिकारी बताते हुए मरीज के अटेंडर को लूट लिया। घटना रविवार रात 10 बजे की है।

पुलिस ने सीसीटीवी से हुलिया मिलने के बाद सोमवार को एक आरोपी को पकड़ लिया है। वहीं दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही हैं।

दरअसल, शहडोल से करीब 25 किमी दूर गोहपारू थाना क्षेत्र के बुढ़नवाह में रहने वाला 29 वर्षीय दुर्गेश नाम का युवक एक मरीज को लेकर जिला अस्पताल आया था। यहां मरीज को भर्ती कर लिया गया। इसके बाद दुर्गेश अपने साथी के साथ जिला अस्पताल की धर्मशाला में ही रुक गया और वहीं साथी के साथ खाना बनाने लगा।

बाइक से पहुंचे दो युवक: इस बीच बाइक सवार दो लोग पहुंचे। खुद को सीआईडी अफसर बताते हुए दुर्गेश और उसके साथी से रुपए और मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद पीड़ित थाने पहुंचे और शिकायत की।

सीसीटीवी से पकड़ा आरोपी: पुलिस ने जब अस्पताल के गेट का सीसीटीवी चेक किया तो उसमें दोनों आरोपी अस्पताल के अंदर आते-जाते दिखे। इसके बाद एक आरोपी की पहचान जय स्तंभ चौक पेट्रोल पंप के पीछे रहने वाले विनय कुंडे के रूप में हुई। पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

कोतवाली थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी विनय कुंडे नगर पालिका का सफाई कर्मचारी है। दूसरे आरोपी की पहचान कर ली गई है, जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

सड़क हादसे में महिला की मौत

मजदूरी कर पैदल घर लौटते समय अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में रविवार शाम एक महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजन इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला मजदूरी करके शाम को पैदल वापस लौट रही थी, उसी समय यह हादसा हो गया।

हादसा पन्ना रोड पर महिंद्रा एजेंसी के सामने का है। यहां कोमल पति रामस्वरूप उम्र 38 साल निवासी बृजपुरा रविवार सुबह मजदूरी करने के लिए पन्ना रोड महिंद्रा एजेंसी के पास डॉक्टर एसके दीक्षित की बिल्डिंग में गई थी, शाम को लौटते समय महिंद्रा एजेंसी के सामने अज्ञात बाहर ने उसे टक्कर मार दी। राहगीरों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं, सोमवार की सुबह 11 बजे अस्पताल चौकी पुलिस ने मृतक का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं, सिविल लाइन थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

महिला के पिता महिलाल पाल ने बताया कि मुझे फोन से दामाद रामस्वरूप ने घटना की जानकारी दी थी हम लोग देर रात अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने बेटी को मृत घोषित कर दिया। भतीजे मुन्नी लाल पाल ने बताया कि चाची कोमल मजदूरी करने के लिए पन्ना रोड महिंद्रा एजेंसी के पास डॉक्टर एसके दीक्षित की बिल्डिंग में गई थी, शाम को घर आते वक्त किसी अज्ञात बहन ने उनको टक्कर मार दी

सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की मदद से अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही हैं।

कोर्स पूरा करने हेतु लगेगी अतिरिक्त कक्षाएं

100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु शिक्षकों का आयोजित हुआ प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के शासकीय हाई व हायर सेकंडरी स्कूलों का परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए शिक्षा विभाग तैयारी में जुट गया है। इस साल 10 वीं में बेस्ट ऑफफाइव पॉलिसी को समाप्त कर दिया गया हैं। पहले 6 मे से 5 विषय में पास होने पर उत्तीर्ण मान लिया जाता था लेकिन अब ऐसा नही होगा और सभी 6 विषय पास करने पर ही उत्तीर्ण माना जाएगा। विद्यार्थियों के कमजोर विषय के साथ शिक्षकों पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है। समस्त विषय के शिक्षकों को प्रतिमाह एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एपीसी रमसा डॉ सुजीत मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार 15 दिसम्बर को उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में कक्षा 9वीं एवं 10वीं पढ़ाने वाले हिन्दी विषय के 140, अंग्रेजी विषय के 120, संस्कृत विषय के 90, गणित विषय के 130, विज्ञान के 103, सामाजिक विज्ञान के 115, कुल 800 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

ट्रेनिंग में अध्यापकों को अध्यापन की नई-नई तकनीक बताई गई। इस प्रशिक्षण में पिछले माह पढ़ाए अध्याय एवं पढ़ाने में आई समस्याओं का निराकरण किया गया। दिसम्बर माह में पढ़ाए जाने वाले अध्याय में विशेष रूप से कठिन कॉन्सेप्ट को चिन्हित कर उन्हें सरल रूप में गतिविधियों के रूप में कैसें प्रस्तुत किया जा सकता है, यह बताया गया। विद्यार्थियों को विषय अच्छी तरह से समझाने के लिए अध्यापन की विधियों का प्रयोग करना भी बताया गया ताकि स्टूडेंट्स के मन में कोई कन्फ्यूजन न रहे। 60 मास्टर ट्रेनर द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में शिक्षकों को टेबलेट का उपयोग करने की भी जानकारी दी गई।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी.एल. मिश्रा, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एस.एन. त्रिपाठी, ए.डी.पी.सी. श्री प्रवीण शुक्ला, डॉ सुजीत कुमार मिश्र एपीसी रमसा द्वारा प्रशिक्षण का अवलोकन किया गया।

17 एवं 19 को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अधीक्षक अभियंता (संचा-संधा) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं. लिमि. ने जानकारी देकर बताया है कि 33 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र में मानसून मेन्टीनेन्श एवं टेस्टिंग एण्ड एक्समर कार्य कराने हेतु दिनांक 17.12.2024 एवं 19.12.2024 को सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेंगे। उन्होने बताया कि दिनांक 17 दिसम्बर को 33 केव्ही कमचढ़, कुसमी एवं मड़वास फीडर से संबंधित सभी गॉव में विद्युत बंद रहेंगी।

विचार

यदि कांग्रेस से गठबंधन करेगी तो सियासी तौर पर समाप्त हो जाएगी?

बता दें कि दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए 2025 में चुनाव होंगे। 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं बीजेपी को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार भी कांग्रेस की दिल्ली में मजबूत स्थिति नहीं है।

देश की राजधानी दिल्ली में फरवरी 2025 में विधानसभा होंगे और यहां पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी एक बार फिर पूरे दम-खम से अकेले यह चुनाव लड़ेगी। जबकि वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की भागीदार पार्टी रही है। बताया जाता है कि हाइब्रीड पॉलिटिकल पार्टी आप को डर है कि यदि वह कांग्रेस से गठबंधन करेगी तो सियासी तौर पर समाप्त हो जाएगी! पंजाब और दिल्ली की राजनीतिक परिस्थिति भी इसी बात की चुगली करती है। कहना न होगा कि छोटा हिंदुस्तान समझा जाने वाला दिल्ली प्रदेश का विधानसभा चुनाव किसी भी राजनीतिक दल के लिए काफी अहमियत रखता है। यहां पर पहले कांग्रेस और उसके बाद भाजपा का शासन रहा है। बाद में भी इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच सत्ता की अदला-बदली हुई। लेकिन दिल्ली की स्थानीय पार्टी के तौर पर आप के राजनैतिक अभ्युदय ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के समक्ष एक नई राजनीतिक चुनौती खड़ा कर दी, जो अब तलक जारी है। समझा जाता है कि कभी केंद्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के जबड़े से 2013 में उसकी सूबाई सत्ता छीनना और फिर केंद्र में सत्तारूढ़ हुई भाजपा के कसते सियासी शिकंजे के बावजूद 2015 और 2020 में भी यहां की सत्ता को बचाए रखना दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की बहुत बड़ी राजनीतिक सफलता है, जिसके लिए उन्हें नाकोचने चबाने पड़े। इसके ही खातिर उन्हें तिहाड़ जेल तक जाना पड़ा, जहां से फिलवक्त बेल पर वह बाहर हैं। दरअसल, हाइब्रीड पॉलिटिकल पार्टी %आप% एक अलबेली राजनीतिक पार्टी है, जो कई मामलों में भाजपा और कांग्रेस से अलग है तथा क्षेत्रीय दलों से काफी आगे है। %कांग्रेस एवं उसकी विरोधी रही %जनता पार्टी% व जनता दल% और भाजपा के अलावा %आप एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो एक के बाद दूसरे राज्य में अपने बलबूते सरकार बनाने में सफल हुई और सफलता पूर्वक उसका संचालन कर रही है। युवा पेशेवरों की यह पार्टी तमाम विवादास्पद मुद्दों में निष्पक्ष अंदाज रखती आई है।

वन नेशन वन इलेक्शन लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने की दिशा में बढ़ता कदम

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

17 दिसंबर को लोकसभा में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा एक देश एक चुनाव से संबंधित विधेयक पेश करने के साथ ही देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने की दिशा में एक कदम और बढ़ जाएगा। हांलाकि सरकार इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने की मंशा व्यक्त करती रही है ताकि इस पर सांसदीय समिति के माध्यम से गंभीर मंथन और चिंतन हो सके।

हांलाकि अभी एक देश एक चुनाव की दिशा में बढ़ते कदमों में स्थानीय निकायों के चुनावों की प्रकिया बाकी है जिस पर सरकार ने अभी गंभीरता नहीं दिखाई है और उसका कारण भी है कि उस प्रस्ताव के विधेयक को विधानसभाओं से भी पारित करवाया जाना होगा। खैर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते हैं तो भले ही कांग्रेस सहित विपक्ष विरोध कर रहे हो पर माना जाना चाहिए कि यह सही दिशा में बढ़ता कदम होगा। ऐसा नहीं है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए यह कोई नई बात हो बल्कि आजादी के समय से ही देश में एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया जाता रहा है। 1952, 1957, 1962 और 1967 के चुनाव इसके उदाहरण है। 1968 से विधानसभाओं को भंग करने का जो सिलसिला चला उसने पूरे हालात ही बदल दिए और उसके बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग अलग होने लगे। केवल सहूलियत ही मानलो अन्यथा अलग अलग चुनावों के दुष्परिणाम अधिक ही सामने आते हैं। यह केवल चुनावों पर होने वाले सरकारी और गैरसरकारी खर्चों तक ही सीमित ना होकर अलग अलग चुनाव होने से एक नहीं अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं।

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग अलग होने से करीब एक साल तक चुनी हुई सरकार पंगु ही बन कर रह जाती है। इसको राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों के चुनावों से इस तरह से समझा जा सकता है। हांलाकि यह उदाहरण मात्र है और सभी प्रदेशों पर समान तरीके से लागू होता है। नवंबर दिसबंर में राजस्थान की विधानसभा के चुनाव होते हैं। सरकार बनते ही अपनी प्राथमिकता भी तय कर पाती है जब तक बजट की तैयारी में जुटना पड़ता है क्योंकि अब फरवरी में ही बजट सेशन होने लगे हैं। मई जून में लोकसभा के चुनाव के कारण अप्रेल से ही आचार संहित लगने की तलवार लटक जाती है और फिर करीब डेढ़ माह का समय आचार संहिता को समर्पित हो जाता है। इसके कुछ समय बाद ही या यों कहे कि परिवर्तित बजट से निपटते निपटते सरकार के सामने स्थानीय निकायों व पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का समय हो जाता है और उसके कारण लंबा समय इन चुनावों के कारण आचार संहिता के भेंट चढ़ जाता है। इस बीच में कोई कोई ना कोई उप चुनाव आ जाते हैं तो उसका असर भी चुनी हुई सरकार को भुगतना पड़ता है। जैसे तैसे चौथा साल पूरा होने को होता है कि सरकार ताबड़तोड़ निर्णय करने लगती है और इनके क्रियान्वयन का समय आते आते चुनाव आचार संहिता लग जाती है। इस तरह से एक बात तो साफ हो जाती है कि पांच साल के लिए चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार का कमोबेस करीब एक साल का समय तो चुनाव आचार संहिताओं के ही भेंट चढ़ जाता है। यह तो केवल लोकतांत्रिक जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के कार्यों के प्रभावित होने का एक उदाहरण मात्र है। अब अलग अलग चुनाव होने से चुनाव पर होने वाले सरकारी और गैर सरकारी खर्चों पर भी ध्यान दिया जा सकता है। 1952 के पहले चुनाव में सरकारी व गैरसरकारी जिसमें राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वालों का खर्च भी शामिल है वह करीब 10 करोड़ के आसपास रहा। 2010 के आमचुनाव में 10 हजार करोड़ रु. का व्यय माना जा रहा है जो 2019 में 55 हजार करोड़ और 2024 के आमचुनावों में एक लाख करोड़ को छू गया है। इसमें चुनाव आयोग, प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ ही राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों द्वारा होने वाला खर्च शामिल है। हालांकि मोदी सरकार आने के बाद से ही 2014 से एक देश एक चुनाव पर चर्चा का सिलसिला चल निकला था। 2017 में नीति आयोग ने इसे उपयुक्त बताया और 2018 में संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने इसे सही दिशा बताया। सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनाई गई और 65 बैठके कर 18626 पन्नों की रिपोर्ट इसी साल मार्च, 24 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पेश की गई। यदि इन सभी सिफारिशों को लागू किया जाता है तो 18 संसोधनों की आवश्यकता होगी। हांलाकि सरकार ने अभी एक हिस्से यानी कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की दिशा में कदम बढ़ाती लग रही है। और माना जा रहा है कि 2029 के चुनाव नई व्यवस्था यानी कि एक देश एक चुनाव वन नेशन वन इलेक्शन से हो। हांलाकि इसके लिए चुनाव आयोग व सरकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी पर यदि एक बार यह सिलसिला चल निकलेगा तो इसे लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत ही माना जाएगा।

राजनीतिक दलों द्वारा यह शंका व्यक्त की जा रही है कि इससे छोटे व स्थानीय दलों के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा। इसके साथ ही वोटिंग पेटर्न प्रभावित होगा। चुनाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव के लिए मशीनरी भी अधिक लगाने की बात की जाती है तो खर्चे व आधारभूत सुविधाओं यथा ईवीएम मशीन, वीवीपेट मशीन, उनके रखरखाव सहित अन्य आवष्यक संसाधनों की आवश्यकताओं को लेकर भी शंका व्यक्त की जा रही हैं। हालांकि जिस तरह से चुनाव आयोग ने संसाधनों का आकलन कर अपनी आवश्यकताएं सरकार को बता दी है उससे लगता है कि चुनाव आयोग भी वन नेशन वन इलेक्शन के लिए मानसिक रुप से पूरी तरह से तैयार है। 2029 के चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा 7951 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित किया गया है। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों सहित अन्य खर्च अलग होंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के सकारात्मक पक्ष भी है और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। वन नेशन वन इलेक्शन हमारे देश के लिए कोई नई बात नहीं है उसी तरह से दुनिया के अन्य देशों जर्मनी, जापान, दक्षिणी अफ्रीका, स्वीडन, इंडोनेशिया, फिलिपिंस आदि में भी एक साथ चुनाव होते रहे हैं। कोविंद कमेटी ने जर्मनी के चुनाव पेटर्न को बेहतर व अनुकरणीय भी माना है। खैर यह अलग बात है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि एक साथ चुनाव होने से संसाधन तो एक बार जुटाने होंगे पर उसके बाद व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। आजादी के 75 साल से भी अधिक समय हो जाने के बाद जिस तरह से मतदाताओं की उदासीनता देखी जा रही है वह निश्चित रुप से कम होगी। राजनीतिक दल भले ही आज विरोध कर रहे हैं पर एक साथ चुनाव से उन्हें भी कम मशक्कत व एक बार ही मशक्कत करनी होगी। प्रचार सामग्री से लेकर प्रचार अभियान को आसानी से संचालित किया जा सकेगा। योजनावद्ध प्रयासों से विधानसभा व लोकसभा प्रत्याशियों का एक साथ प्रचार अभियान संचालित हो सकेगा जिससे अलग अलग चुनाव होने से बार बार होने वाले व्यय में कुछ हद तक राजनीतिक दलों को भी कम खर्च करना पड़ेगा। चुनी हुई सरकारों को बार बार आचार संहिता के संकट से गुजरना नहीं पड़ेगा और सरकार को काम करने का अधिक समय मिल सकेगा। दोनों चुनाव एक साथ होने से भले ही पोलिंग बूथ अधिक बनाने पड़े, मशीनरी अधिक लगानी पड़े सुविधाजनक होगा। एक बात यह भी कि असामाजिक तत्वों की गतिविधियां भी काफी हद तक कम हो सकेगी। इससे सरकारी संसाधनों की बचत, मानव संसाधन को बार बार नियोजित करने से होने वाले सरकारी कार्य में बाधा में बचत और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से बार बार चुनाव के स्थान पर एक साथ चुनाव होने से खर्चों में भी कमी आएगी।

चुनावी राजनीति में सॉफ्ट टारगेट क्यों बनती जा रही हैं महिलाएं ? कब होगी असली मुद्दों की बात ?

संतोष पाठक

भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे-कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है।

राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक-दो क़िस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है।

हाल ही में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही किया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है। लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं।

भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की

योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। चुनावी शोर, चुनावी वादें और चुनावी जीत की गहमा-गहमी के बीच असली मुद्दे कहीं गौण होते नजर आ रहे हैं।

सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर इस तरह की योजनाएं चुनाव के पहले ही क्यों शुरू की जाती है ? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या 1000, 1500, 2100 या 3000 रुपए की राशि से सभी समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाता है। वास्तव में एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी निहित होती है लेकिन विडंबना देखिए कि सरकारों ने इन मुद्दों पर स्थायी काम करने की बजाय कामचलाऊ हल ढूंढ लिया है। सरकार और देश के राजनीतिक दल, लोगों को फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी देने से बचने के लिए बाकी हर चीज मुफ्त में देने को तैयार है।

ऐसे में अब वक्त आ गया है कि महिला मतदाताओं को ही आगे बढ़कर, नेताओं से यह सवाल पूछना चाहिए कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की हालत इतनी खराब क्यों हैं ? प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों की फीस बेतहाशा क्यों बढ़ती जा रही है ? जिस देश में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों की कमी है, उस देश में एमबीबीएस की पढ़ाई का खर्च सालाना एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा कैसे हो गया है ? सरकारी अस्पताल में समय पर उचित और फ्री इलाज क्यों नहीं मिल पा रहा है ? नौकरी तक का फॉर्म भरने के लिए बेरोजगार बच्चों से सैकड़ों-हजारों रुपए क्यों लिए जा रहे हैं ? क्योंकि अगर आप जोड़ कर देखेंगी तो ये सभी खर्च मिलाकर आपको महिला सम्मान या लाडली बहना योजना के नाम पर मिलने वाली राशि से कई हजार गुना ज्यादा बैठ जाएगी।

परिजन ने मोबाइल छीना तो छात्रा ने किया सुसाइड

पढ़ाई करने कहा तो रूम में जाकर लगाई फांसी, बिलासपुर में महीनेभर में दूसरा केस

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में 14 साल की लड़की ने खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि परिजनों ने 9वीं कक्षा की छात्रा से मोबाइल छीन लिया था। जिससे नाराज होकर उसने फांसी लगा खुदकुशी की आशंका है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। 25 दिन में ये दूसरा सुसाइड केस है। मोबाइल के लिए 11 साल के छात्र ने भी खुदकुशी कर ली थी।

मिली जानकारी के मुताबिक छात्रा का नाम एंजल जैसवानी है। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक छात्रा मोबाइल पर ज्यादा समय बिताती थी। दिनभर वह मोबाइल पर ही समय बिताती थी। ये देखकर परिजनों ने उसे पहले भी मना किया था।

मोबाइल चलाने से मना करने पर उठाया आत्मघाती कदम: शनिवार की रात भी वह अपने घर पर परिजन के साथ थी तभी परिजन ने उसे कमरे में जाकर पढ़ाई करने कहा था। आशंका है कि इसी से नाराज होकर छात्रा ने आत्मघाती कदम उठाया है। परिजनों ने बताया कि उन्हें जैसे ही पता चला तत्काल छात्रा को फंदे से उतारा। देर रात अपोलो अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने छात्रा के सुसाइड की जानकारी पुलिस को दी।

सुसाइड को लेकर परिजनों से पूछताछ: मामले में पुलिस ने बताया कि रविवार को शव का पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम कराया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। सुसाइड को लेकर परिजनों से पूछताछ की गई है। अभी मोबाइल चलाने की बात सामने आ रही है। हर एंगल से पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बच्चों में मोबाइल की बढ़ती लत और इसके दुष्परिणाम: जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. गामिनी वर्मा ने बताया कि मोबाइल की लत बच्चों में एक आम समस्या बनती जा रही है। कई बार इसके गंभीर परिणाम भी सामने आते हैं। समय रहते इस ओर उचित ध्यान नहीं देकर समस्या का समाधान किया जा सकता है। डॉ. वर्मा ने अभिभावकों से बच्चों को समझाइश देकर उनकी मानसिक स्थिति को समझने की अपील भी की।

25 दिन पहले भी ऐसा ही केस सामने आया: बिलासपुर में 25 दिन पहले मोबाइल की लत में 5वीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। दरअसल, तीन भाइयों के पास एक ही मोबाइल था। इसे चलाने को लेकर उनके बीच विवाद हुआ। इससे गुस्साए 11 साल के नाबालिग ने अपनी जान दे दी।

बच्चा नहीं हो रहा था, तांत्रिक बोला- चूजा निगलो, मौत

ग्रामीणों को शंका- तंत्र-मंत्र के चक्कर में था युवक, जिंदा चूजा निगल गया

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक युवक ने जिंदा चूजा निगल लिया। युवक को बेहोशी की हालत में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, लेकिन गले में चूजा फंसने से उसकी मौत हो गई। मामला अंबिकापुर कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम आनंद कुमार यादव (35) है, जो छिंदकालो गांव का निवासी था। बताया जा रहा है कि उसे संतान की प्राप्ति नहीं हो रही थी, जिससे वो तांत्रिक के चक्कर में पड़ गया और मुर्गी के काले चूजे को निगल लिया। चूजे की भी मौत हो गई।

आंगन में बेहोश होकर गिरा था आनंद: मामले में परिजनों ने बताया कि आनंद आंगन में गिरकर बेहोश हो गया था। इसके बाद उसे अस्पताल लाए थे। हालांकि आनंद यादव की बीमारी को लेकर कुछ नहीं बता सके। वे कुछ भी कहने से बचते रहे। उन्होंने कहा कि बाकी उनको कुछ भी नहीं पता है, ये कैसे हो गया।

तांत्रिकों के चक्कर में आ गया था आनंद: वहीं परिजनों के साथ हॉस्पिटल पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि शादी के 5 साल से अधिक समय बाद भी आनंद को कोई संतान नहीं हुई थी, जिसे लेकर वो परेशान रहता था। ग्रामीणों ने बताया कि वो तांत्रिकों के चक्कर में फंस गया था।

पोस्टमॉर्टम में गले से निकला चूजा: मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक एचओडी डॉक्टर संतो बाग ने बताया कि हार्ट अटैक से मौत की आशंका पर युवक के शव के सीने में चीरा लगाया, लेकिन सब कुछ नॉर्मल मिला। ब्रेन हैमरेज की आशंका से सिर का हिस्सा खोला गया, लेकिन सिर में भी कुछ असामान्य नहीं मिला।

डॉक्टर ने बताया कि इसके बाद गले में चीरा लगाया तो युवक के गले में चूजा मिला। युवक के श्वांस नली और खाने की नली के बीच में फंसा हुआ था। तकनीकी जांच में पता चला कि श्वांस नली में चूजा फंसने से युवक की मौत हुई है।

15 हजार पोस्टमॉर्टम, पहली बार देखा ऐसा केस: मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के फोरेंसिक एचओडी डॉ. संतो बाग ने बताया कि वे अब तक करीब 15 हजार पोस्टमॉर्टम कर चुके हैं, लेकिन अपने जीवन में पहला ऐसा मामला देखा है, जिसमें किसी ने जिंदा चूजा निगला है।

तांत्रिक के एंगल से भी पुलिस कर रही जांच: मामले में अंबिकापुर कोतवाली पुलिस ने बताया कि युवक की मौत को लेकर परिजनों से पूछताछ की गई, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं बताया। ग्रामीणों से और उससे जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। तांत्रिक वाले एंगल से भी जांच की जा रही है।

7 निकायों के वार्डों का तय होगा आरक्षण

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर नगर निगम सहित जिले के 3 नगर पालिका परिषद रतनपुर, तखतपुर और बोदरी और 3 नगर पंचायत कोटा, बिल्हा और मल्हार के वार्डों का आरक्षण 19 दिसंबर को कलेक्टोरेट स्थित मंथन सभाकक्ष में होगा। आरक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिलासपुर नगर निगम के 70 वार्डों के आरक्षण से होगी।

इसके लिए सायं 3 बजे से 4 बजे का समय निर्धारित किया गया है। कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने उक्ताशय की सूचना जारी करते हुए जिले के सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों और नागरिकों से आरक्षण प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहने की अपील की है।

जिले के छह निकायों में वार्डों का आरक्षण 3 घंटे में होगा: जिले के छह निकायों के वार्डों के आरक्षण के लिए 19 दिसंबर की सायं क्रमशः 30-30 मिनट का समय निर्धारित किया गया है।

बड़े पिता ने 4 साल की मासूम से किया रेप

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले में रिश्तों को कलंकित करते हुए बड़े पिता ने 4 साल की मासूम बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता और उसकी बड़ी बहन (11) को पिता ही अपने बड़े भाई के घर छोड़कर काम पर चला गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, युवक तीन दिन पहले काम पर जाने से पहले अपनी दो बेटियों को रिश्ते के बड़े भाई के घर छोड़कर गया था। जिससे बच्चों की देखरेख हो सके। रविवार को दो दिनों बाद युवक वापस लौटा तो छोटी बेटी ने बताया कि, बड़े पिता ने उसके साथ गलत हरकत की है। पीड़िता की बड़ी बहन ने पिता को जानकारी दी कि, उसने बड़े पिता को छोटी बहन के साथ गलत हरकत करते देखा।

थाने में रिपोर्ट दर्ज, आरोपी गिरफ्तार: युवक ने बेटियों के साथ गांधीनगर थाने पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। बच्ची के पिता ने बताया कि, वह रिश्ते में बड़े भाई के घर बच्चों को सुरक्षा की दृष्टि से छोड़कर गया था। उसे घर की देखरेख के लिए भी कहा था। वे आरोपी पर कड़ी कार्रवाई चाहते हैं।

एएसपी अमोलक सिंह ने बताया कि मामले में पॉक्सो एक्ट और रेप की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। आरोपी (40) को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया गया है।

जाकिर हुसैन ने तबले पर बजाया भगवान शिव का डमरू

उनकी लास्ट परफॉर्मेंस का वीडियो, कहा था- आखिरी सांस तक सीखो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन का रविवार देर रात निधन हो गया है। 73 साल की उम्र में सैन फ्रांसिस्को में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी छत्तीसगढ़ से जुड़ी कुछ यादें हैं। 18 दिसंबर 2019 को जाकिर हुसैनखैरागढ़ आए थे। यह उनका आखिरी छत्तीसगढ़ दौरा था।

इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में जाकिर हुसैन मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस दी। तब उन्होंने तबले पर भगवान शिव का डमरू बजाकर सुनाया था। भागते हुए हिरण की चाल को भी तबले के जरिए लोगों को ऐसे सुनाया।

तब लगा मंच पर हिरण सच में भाग रहा हो। यहां उन्हें डॉक्टर की मानद उपाधी से नवाजा गया था। उन्होंने अपनी लास्ट स्पीच में जीवन की आखिरी सांस तक सीखने की बात कही थी।

रायपुर को लेकर की मजेदार बात: स्टेज पर या आम तौर पर लोगों से बात करते हुए जाकिर हुसैन मजाक भी खूब किया करते थे। जब वो राजनांदगांव जिले के इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे तो रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि, रायपुर अच्छा शहर है, छत्तीसगढ़ की हवा अच्छी है यहां आकर खुलकर सांस लेने को जी करता है। इतने में एक कार चालक जोर-जोर से हॉर्न बजा रहा था। रोचकअंदाज में जाकिर ने कहा कि यहां की गाड़ियों के हॉर्न भी बहुत अच्छे और लाउड (तेज आवाज वाले) हैं। उन्होंने यहां के खान-पान को भी सराहा था।

पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव की वार्ड आरक्षण/महिला लॉटो की कार्यवाही 17 एवं 19 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पंचायत निर्वाचन आरक्षण, जिला सदस्य जनपद अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य, पंचायत सदस्य, नगरीय निकाय और नगर पंचायत आम निर्वाचन 2024 के तहत वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया 17 और 19 दिसंबर 2024 को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सी. एस. पैकरा, संबंधित सेक्टर अधिकारी, पीठासीन अधिकारी और निर्वाचन संचालन के आरओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ नगरपालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिला) नियम 1994 के प्रावधानों के तहत जिले के नगरीय निकायों और नगर पंचायतों के वार्डों का आरक्षण 17 और 19 दिसंबर को किया जाएगा। 17 दिसंबर को नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की 22 वार्ड कार्यवाही अपराह्न 3 बजे से, नगर पंचायत खोंगापानी की 15 वार्ड कार्यवाही अपराह्न 4:30 बजे से, नगर पंचायत झगराखाण्ड 15 वार्डो की कार्यवाही अपराह्न 3:30 बजे से और नगर पंचायत नई लेदरी के 15 वार्डों का आरक्षण महिला लॉटो की कार्यवाही 4 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया जाएगा। इसी प्रकार नगरपालिक निगम चिरमिरी की 40 वार्ड की कार्यवाही 3 बजे से और नगर पंचायत जनकपुर के 15 वार्डों का आरक्षण महिला लॉटो की कार्यवाही 19 दिसम्बर को 2 बजे तक निर्धारित समय में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगा।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की इस प्रक्रिया के दौरान आम नागरिक भी उपस्थित हो सकते हैं। प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आरक्षण प्रक्रिया के लिए महिला लॉटो के प्रवर्गवार स्थानों का आवंटन किया जाएगा, जिसे जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पूरा किया जाएगा। इस बैठक में नाम वापसी से जुड़ी प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने बताया कि नाम वापसी की प्रक्रिया केवल आरओ द्वारा ही की जाएगी और इसके लिए नाम वापसी का मूल पावती पत्र आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त, नाम वापसी की प्रक्रिया को रिकॉर्ड में रखने के लिए उसका वीडियो और फोटो भी बनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सी. एस. पैकरा, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, एसडीएम मनेंद्रगढ़, एसडीएम खड़गवां, तहसीलदार मनेंद्रगढ़, तहसीलदार चिरमिरी, नगर निगम आयुक्त, जनपद सीईओ एमसीबी, जनपद सीईओ खड़गवां और सभी नगर पंचायतों के सीएमओ सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता से मारपीट और लूट

रास्ता रोककर पैसे मांगे, सिर पर वारकर किया लहूलुहान, 50 हजार लेकर भागे बदमाश

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। जांजगीर-चांपा जिले के सारागांव थाना क्षेत्र में भाजपा नेता से लूट हो गई। 3 बदमाशों ने पूर्व एल्डरमैन केशव करियारे से मारपीट कर 50 हजार रुपए लूट लिए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

जानकारी अनुसार सरगांव नगर पंचायत के पूर्व एल्डरमैन केशव करियारे किसी काम से चांपा के कोटाडाबरी आए थे। काम होने के बाद रविवार की रात 8 बजे बाइक से अपने घर सारागांव जाने के लिए निकले थे।

50 हजार लेकर भागे बदमाश: इस दौरान ग्राम कमरीद और सारागांव के बीच नहर किनारे 3 बाइक सवार लोगों ने उन्हें रोका। फिर पैसों की मांग करते हुए मारपीट करने लगे। बदमाशों ने जेब में रखे 50 हजार रुपए को लूट लिए।

मारपीट से पूर्व एल्डरमैन केशव करियारे के सिर पर गंभीर चोट लगी, जिससे वे लहूलुहान हो गए। इसके बाद बदमाश मौके से भाग निकले। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना प्रभारी सावन सारथी ने बताया कि थाने में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

डबरी निर्माण से किसान मोहित हुआ आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेंद्रगढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत महाई के एक छोटे से किसान मोहित/पिता लल्ला की जिंदगी हर बीतते दिन के साथ सूखती फसल की तरह निराशा में घिरता जा रहा था । मोहित के पास तीन एकड़ जमीन तो थी, लेकिन बिना सिंचाई साधन के वह जमीन सिर्फ बारिश की भरोसे पर निर्भर था । हर साल अनिश्चित बारिश और पानी की कमी ने उनके लिए खेती को घाटे का सौदा बना रहा था । जैसे-जैसे फसलें असफल हो रही थीं, मोहित का आत्मविश्वास टूटता जा रहा था। खेती के घाटे ने उन्हें मजबूर कर दिया कि वे अब मजदूरी का सहारा लें।

एक किसान जिसकी जमीन कभी उसके जीवन का आधार थी, अब उसके लिए एक बोझ बन चुका था । लेकिन यह कहानी यहीं खत्म नहीं हुआ। यह कहानी मोहित के संघर्ष और उनकी किस्मत बदलने वाले एक अद्भुत बदलाव की है।

मोहित का बारिश के भरोसे से आत्मनिर्भरता तक का सफर: जब ग्राम पंचायत महाई में जिला प्रशासन ने किसानों की समस्याओं पर ध्यान दिया, तो मोहित की हालत ने अधिकारियों को सोचने पर मजबूर कर दिया। उनकी जमीन को देखकर यह साफ हो गया कि अगर सिंचाई की सुविधा मिल जाए, तो यह जमीन सिर्फ उपजाऊ ही नहीं, बल्कि समृद्धि का साधन बन सकती है। यहीं से शुरू हुआ बदलाव का सफर। मनरेगा योजना के तहत डबरी निर्माण कार्य को स्वीकृति मिली। डबरी निर्माण के लिए 2 लाख 28 हजार रुपए का प्रशासनिक स्वीकृत बजट पास किया गया। लेकिन सिर्फ बजट ही पर्याप्त नहीं था। सही स्थान का चयन, निर्माण सामग्री की उपलब्धता और जल संग्रहण को सुनिश्चित करना, इन सभी चुनौतियों का सामना ग्राम पंचायत महाई और जिला प्रशासन ने किया। विशेषज्ञों की मदद से मोहित के खेत में जलभराव वाली उपयुक्त जगह का चयन किया गया और मनरेगा के माध्यम से निर्माण कार्य शुरू हुआ।

मोहित के साथ-साथ गांव वालों को भी मिला रोजगार: इस डबरी निर्माण कार्य में न केवल मोहित का परिवार लाभान्वित हुआ, बल्कि गांव के कई मजदूरों को भी लाभ मिला । डबरी निर्माण ने पूरे गांव को 100 दिनों का रोजगार दिया । यह काम सिर्फ मोहित की जमीन को सिंचाई योग्य बनाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम था।

जब डबरी का निर्माण पूरा हुआ, तो यह केवल एक जलाशय नहीं था, बल्कि मोहित के सपनों को नया आधार मिला । उनकी जमीन पर अब सिर्फ पानी का इंतजार नहीं था; यह एक ऐसी जमीन बन गई थी, जो सालभर पूरी तरह उपजाऊ होने वाला था ।

इस डबरी ने मोहित को न केवल पारंपरिक फसलों की पैदावार बढ़ाने का मौका दिया, बल्कि उन्हें नए प्रयोग करने का आत्मविश्वास भी दिया। उन्होंने अपनी जमीन पर सब्जी की खेती शुरू की और पहली बार मछली पालन का साहस किया। इस बार उन्हें मछली पालन से 50 हजार रुपए का मुनाफा हो रहा है। वहीं धान की फसल से 40 हजार रुपए की आय हो रहा है।

मोहित कहते हैं कि "पहले मैं सिर्फ बारिश के भरोसे रहता था। फसल खराब होती थी, तो हाथ में कुछ भी नहीं बचता था। लेकिन अब मेरे पास अपनी डबरी है। मैं सब्जी और मछली पालन से भी अच्छी आय अर्जित कर रहा हूं। अब मुझे भविष्य के लिए चिंता नहीं बल्कि नई उम्मीदें हैं।"

डबरी निर्माण ने दी मोहित की आत्मविश्वास को नई राह: डबरी निर्माण ने सिर्फ उनकी आय नहीं बढ़ाई, बल्कि आत्मनिर्भरता की भावना भी जगाई। अब मोहित अपनी जमीन पर गर्व महसूस करते हैं। उनकी मेहनत और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन ने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जिस तरह से किसानों की समस्याओं को समझते हुए ठोस कदम उठाए हैं, वह ग्रामीण विकास का एक बेहतरीन उदाहरण है। डबरी निर्माण जैसी योजनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि सही नीति और दृढ़ इच्छाशक्ति से छोटे किसानों की जिंदगी बदली जा सकती है।

मोहित की डबरी सिर्फ एक जलाशय नहीं, बल्कि उनके संघर्ष की जीत का प्रतीक है। यह कहानी साबित करती है कि छोटे और प्रभावशाली बदलाव किस तरह से बड़े परिणाम ला सकते हैं। डबरी ने मोहित को न केवल आर्थिक स्थिरता दी, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का तोहफा भी दिया। मोहित की कहानी हर उस किसान के लिए एक प्रेरणा है, जो संसाधनों की कमी के बावजूद बेहतर भविष्य का सपना देखता है। यह सिर्फ एक किसान की नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण विकास की भी कहानी है, जहां हर बूंद से खुशहाली की फसल उगाई जा रही है।

बाथरूम जाने जगह पूछा तो दो भाइयों ने किया गैंगरेप

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में बाथरूम जाने के लिए जगह पूछने पर दो भाइयों ने झाड़ियों में ले जाकर युवती से गैंगरेप किया। युवती सुनने में थोड़ा कमजोर है। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती है। घटना जूटमिल थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, पुसौर थाना क्षेत्र की रहने वाली 22 वर्षीय युवती 9वीं तक पढ़ी-लिखी है। उसकी मानसिक हालत कुछ खराब होने की वजह से शनिवार को अपने गांव से रायगढ़ पहुंच गई। रेलवे स्टेशन की ओर से जूटमिल की तरफ जा रही थी। इस दौरान चौक रेलवे लाइन के पास कयाघाट निवासी अविनाश फिलीप (27) और उसका छोटा भाई अमित फिलीप (21) बैठकर शराब पी रहे थे। युवती ने उनसे बाथरूम जाने के लिए जगह पूछा। उन्होंने कुछ बताया तो वो सुन नहीं पाई। फिर दोनों भाइयों ने इशारे में उनके घर के बाथरूम का इस्तेमाल करने कहा।

अंबाला में किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

अंबाला (एजेंसी)। दिल्ली की ओर पैदल मार्च कर रहे 101 किसानों के जत्थे को हरियाणा पुलिस द्वारा शंभू बॉर्डर पर रोके जाने के बाद, किसानों ने आज सोमवार को हरियाणा के अंबाला जिले में ट्रैक्टर मार्च निकाला। ट्रैक्टर मार्च संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के किसानों द्वारा उठाई जा रही मांगों के समर्थन में था, जो हरियाणा राज्य के खनौरी और शंभू बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पों के बाद चल रहा आंदोलन और तेज हो गया है, जिसमें 17 किसान कथित रूप से घायल हुए हैं। किसानों ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखने की कसम खाई है, जिसमें 16 दिसंबर को ट्रैक्टर मार्च और 18 दिसंबर को %रेल रोको% की योजना शामिल है। इस बीच, हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने किसानों से ट्रेनों को रोकने के बजाय विरोध करने के वैकल्पिक तरीके खोजने का आग्रह किया है। विज ने कहा, प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद हर संगठन विरोध प्रदर्शन कर सकता है। किसानों को ट्रेनें नहीं रोकनी चाहिए क्योंकि इससे कई लोगों को असुविधा होगी। उन्हें विरोध करने का कोई और तरीका ढूँढ़ना चाहिए। 18 दिसंबर को रेल रोको प्रदर्शन इस बीच, सरवन सिंह पंधेर ने पंजाब के लोगों से 18 दिसंबर को किसानों द्वारा निर्धारित रेल रोको आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

पंधेर ने कहा, मैं पंजाब के लोगों से 18 दिसंबर को रेल रोको आंदोलन में शामिल होने की अपील करना चाहता हूँ। हम पंजाब के सभी 13,000 गाँवों के लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे रेलवे ट्रैक के पास रहते हैं और अपने निकटतम रेलवे क्रॉसिंग और रेलवे स्टेशनों को दोपहर 12 से 3 बजे तक बंद कर दें। किसान नेता ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर किसानों के लिए पार्टी के वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया।

किसानों के नियोजित मार्च के जवाब में, हरियाणा सरकार ने सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए अंबाला जिले के 12 गांवों में मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सुमिता मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह निलंबन 17 दिसंबर तक लागू रहेगा। किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए मार्च कर रहे हैं। वे केंद्र पर अपने मुद्दों को हल करने के लिए उनसे बातचीत करने का भी दबाव बना रहे हैं। किसान संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले एकत्र हुए हैं और 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले हुए हैं, जब सुरक्षा बलों द्वारा दिल्ली की ओर उनके मार्च को रोक दिया गया था।

मुर्मु और मोदी ने विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के नायकों को सोमवार को %विजय दिवस% के अवसर पर श्रद्धांजलि दी। श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर लिखा, मैं विजय दिवस पर उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देती हूं, जिन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। कृतज्ञ राष्ट्र हमारे वीरों के सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद करता है। शहीदों की वीरता की गाथा हर भारतीय को प्रेरित करती हैं और वे राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी रहेंगी। श्री मोदी ने 'एक्स% पर लिखा, आज, विजय दिवस पर, हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने देश की रक्षा की। उन्होंने कहा, यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है, उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंतर्निहित रहेगा। गौरतलब है कि विजय दिवस हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस और शहीद जवानों के बलिदान को याद किया जाता है। इस युद्ध में भारत ने पाकिस्तानी सेना को हराया था।

पुलिस बैंड सांस्कृतिक परंपरा, प्रेरणा और अनुशासन का प्रतीक-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी पुलिस बैंड की परंपरा सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीयता, अनुशासन और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान %कदम-कदम बढ़ाए जा% की धुन हो या वैदिक काल के शंखनाद, संगीत ने हमेशा से हमारी संस्कृति और संघर्षों को दिशा दी है। बीते समय में पुलिस बैंड की इकाइयां धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही थीं। इसे पुनर्जागृत करने के उद्देश्य से निर्णय लिया कि हर जिले में एक पुलिस बैंड होना चाहिए। यह न केवल हमारे सशस्त्र बल की गरिमा को बढ़ाता है, बल्कि त्यौहारों, राष्ट्रीय पर्वों और विशेष आयोजनों में देशभक्ति की भावना को भी जागृत करता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार प्रांगण में जनकल्याण पर्व पर आयोजित पुलिस बैण्ड के प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी पुलिस केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है। कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में पुलिस ने अनुशासन और समर्पण का

अद्भुत परिचय दिया। उनके इस प्रयास को प्रोत्साहित करना हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी पुलिस बैंड के प्रत्येक जवान को 10-10 हजार रूपए पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा भी की है।

भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज इस अद्भुत आयोजन में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। जनकल्याण पर्व के अंतर्गत आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में पुलिस बैंड की शानदार प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया है। मैं सभी कलाकारों और उनके प्रशिक्षकों को हृदय से बधाई देता हूं। पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्रा ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान किये गये कार्यों के अनुसार जनकल्याण पर्व की अद्भुत श्रृंखला में आज का यह कार्यक्रम बेहद अहम है। बीते वर्ष पुलिस विभाग ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कई नए आयाम स्थापित किए हैं। विशेषकर संगठित अपराधों में कमी आई है, महिला संबंधी अपराधों में भी सुधार हुआ है और संस्थागत स्तर पर अनेक बड़े बदलाव हुए हैं।

''मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व एवं विजय दिवस'' के अवसर पर आयोजित मध्यप्रदेश पुलिस बैंड के भव्य आयोजन में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, एडीजी श्री राकेश गुप्ता सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अंतर्गत पुलिस विभाग ने नए कदम उठाए। विशेषकर पुलिस बैंड का पुनर्गठन इसका एक बड़ा उदाहरण है।

आपकी पहल पर बैंड का पुनर्गठन हुआ और इसे नई दिशा देने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस ने अपने बैंड प्रशिक्षण को देश के बेंगलुरु जैसे सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण केंद्रों में भेजा। इसका परिणाम रहा कि हमारे प्रशिक्षुओं ने वहां प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विजन हमें केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित न रहकर जनता के साथ अपनी सहभागिता बढ़ाने के लिये प्रेरित करता है। इसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए आज का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को एडीजी श्री राकेश गुप्ता ने सैक्सोफोन (वाद्य यंत्र) स्मृति चिह्न के रूप में भेंट किया।

दिसानायके ने किया साफ- हमारी भूमि का उपयोग भारत के खिलाफ नहीं होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा डिसनायके की उपस्थिति में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं श्रीलंका के राष्ट्रपति डिसनायके का भारत में स्वागत करता हूं। हमें खुशी है कि राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए आपने भारत चुना है। आज की इस यात्रा से हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा का सृजन हो रहा है। हमने अपनी पार्टनरशिप के लिए एक फ्यूचरिस्टिक विजन अपनाया है। हमने अपनी आर्थिक साझेदारी में इन्वेस्टमेंट लेड ग्रोथ और कनेक्टिविटी पर बल दिया है और निर्णय लिया है कि फिजिकल, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी हमारी भागेदारी के अहम स्तम्भ होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने अब तक श्रीलंका को 5 बिलियन डॉलर की ऋण की पंक्तियाँ और अनुदान सहायता प्रदान की है। श्रीलंका के सभी 25 जिलों में हमारा सहयोग है और हमारे प्रोजेक्ट्स का चयन सदैव पार्टनर देशों की विकास प्राथमिकताओं पर आधारित होता है। भारत और श्रीलंका के लोगों से लोगों तक संबंध हमारी सभ्यताओं से जुड़े हैं। जब भारत में पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया, तो श्रीलंका में भी उसकी खुशी मनाई गई। हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। हम सहमत हैं, कि हमें इस मामले में एक मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा डिसनायके ने कहा कि श्रीलंका का राष्ट्रपति बनने के बाद यह मेरी विदेश यात्रा है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं अपनी पहली राजकीय यात्रा पर दिल्ली आ सका। मुझे दिए गए निमंत्रण के लिए और मेरे सहित पूरे प्रतिनिधिमंडल को प्रदान किए गए गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए मैं भारत को धन्यवाद देना चाहता हूं।

समाधान पोर्टल पर हो रहा 80 फीसदी शिकायतों का निपटारा: मांडविया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने लोकसभा में सोमवार को कहा कि समाधान पोर्टल पर 80 प्रतिशत से अधिक विवादों का समाधान हो रहा है। श्री मांडविया ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में कहा कि किसी भी कंपनी और कर्मचारी के बीच विवाद को हल करने के लिए समाधान पोर्टल लाया गया है, जिस पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीने के आंकड़े बताते हैं कि 80 प्रतिशत से अधिक विवादों का समाधान हो रहा है।

नक्सलवाद खत्म होने पर छत्तीसगढ़ में कश्मीर से ज्यादा पर्यटक आएंगे: शाह

बीजापुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा है कि नक्सलवाद खत्म होने पर छत्तीसगढ़ में कश्मीर से ज्यादा पर्यटक आएंगे। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन ने गुंडम दौरे के दौरान इस आशय की बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि 31 मार्च 2026 के बाद लोग कहेंगे बस्तर बदल गया है। गलत रास्ते पर गए लोग (नक्सली) सरेंडर करें, हिंसा करेंगे तो हमारे जवान आपसे निपटेंगे।

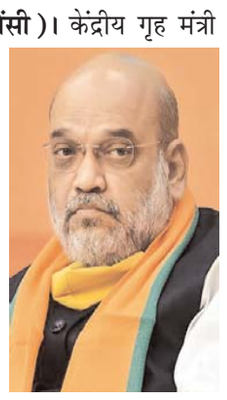

कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना चिंताजनक:गहलोत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कल रात जयपुर में एक कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना को चिंताजनक बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार को कोचिंग संस्थानों के उचित प्रबंधन के लिए बनाई गाइडलाइंस पालन कराया जाना चाहिए। श्री गहलोत ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि यह वर्तमान राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि कोचिंग संस्थानों के उचित प्रबंधन के लिए बनाई गाइडलाइंस को लागू करें एवं अविलंब सुनिश्चित करे कि सारे कोचिंग संस्थान पिछली सरकार द्वारा बनाए गए कोचिंग हब में शिफ्ट किए जाएं। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में ऐसी दुर्घटनाएं कभी भी बड़ा रूप ले सकती हैं क्योंकि यहां क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है जो उचित नहीं है। हमारी सरकार के समय कोचिंग संस्थानों के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी की गईं थीं एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों के स्थान पर अच्छे वातावरण के लिए सोच-समझकर प्रतापनगर में कोचिंग हब बनाया गया था। उन्होंने इस दुर्घटना में घायल हुए विद्यार्थियों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। उल्लेखनीय है कि जयपुर के महेश नगर थाना क्षेत्र में एक कोचिंग संस्थान में रविवार देर शाम को क्लास रूम में कई विद्यार्थियों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया था।

कांग्रेस ने लोकतंत्र की नहीं बल्कि एक परिवार की मजबूती के लिए संविधान संशोधन किये: सीतारमण

नयी दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संविधान की रक्षा की दुहाई देने वाली कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस ने लोकतंत्र की मजबूती के बजाय एक परिवार की मजबूती के लिए संविधान संशोधन किये। श्रीमती सीतारमण ने सोमवार को संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर राज्यसभा में चर्चा की शुरूआत करते हुए संविधान सभा में शामिल 15 महिलाओं सहित 385 सदस्यों को श्रद्धांजलि दी और नमन किया। उन्होंने कहा कि यह सभी का कर्तव्य है कि हम इन सदस्यों की भावना के अनुरूप संविधान को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रयासरत रहें। उन्होंने जाने-माने संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का हवाला देते हुए कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अनेक देशों के संविधान अब प्रासंगिक नहीं हैं, लेकिन हमारे संविधान ने अनेक संकटों का सामना करते हुए अपनी प्रासंगिकता को बनाये रखा है। उन्होंने कहा कि संविधान विशेषज्ञों के अनुसार संविधान संशोधनों को कुछ कसौटियों से गुजरना होता है, लेकिन कांग्रेस ने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस संविधान की कितनी रक्षा करती है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसके नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने निर्वाचित नहीं होने के बावजूद स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति को प्रभावित करने के लिए संविधान लागू होने के एक वर्ष के अंदर

ही उसमें संशोधन कर दिया। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी और संविधान सभा के सदस्य कामेश्वर सिंह ने इसे संविधान का अपमान बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन जन कल्याण और लोकतंत्र की मजबूती के लिए नहीं बल्कि पार्टी और प्रधानमंत्री की छवि को ध्यान में रखकर लाया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद कलाकार बलराज सिन्हा और मजरूह सुल्तानपुरी को जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि आज संविधान की प्रति हाथ में लेकर मौजूदा सरकार पर संविधान का अपमान करने वाली कांग्रेस ने हमेशा संविधान के प्रावधानों को ताक पर रखकर बड़ी-बड़ी हस्तियों को प्रताड़ित किया। उन्होंने कहा कि 1975 में इंदिरा गांधी के निर्वाचन को चुनौती देने वाले मामले के न्यायालय में लंबित होने के बावजूद 39वां संशोधन लाया गया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए संसद में संविधान का संशोधन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संशोधन परिवार और नेता को बचाने के लिए किया गया। उन्होंने कांग्रेस को महिला विरोधी करार देते हुए कहा कि सामाजिक सुधार के लिए शाह बानो मामले में न्यायालय के आदेश के बाद कांग्रेस सरकार ने संसद में संशोधन लाकर इस फैसले को बदल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोगों के साथ कभी भी सामाजिक और आर्थिक न्याय नहीं किया । उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान समूचे विपक्ष को जेल में डालकर लोकसभा का कार्यकाल भी बढ़ाया और संविधान की प्रस्तावना को ही बदल दिया गया और यही कांग्रेस अब संविधान की दुहाई दे रही है। उन्होंने कहा कि ये संशोधन लोकतंत्र की मजबूती के लिए नहीं बल्कि एक परिवार की मजबूती के लिए लाये गये। इसके अलावा कांग्रेस ने संशोधन के जरिये संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरेपक्ष शब्द जोड़ा। उन्होंने कहा कि श्रीमती गांधी ने चुनाव में हार से सबक लिया और प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई की सरकार ने जब 42वें संविधान संशोधन में इंदिरा सरकार द्वारा किये गये बदलावों को 44 वें संशोधन में निरस्त किया तो चुनावी हार से सबक लेने वाली श्रीमती गांधी ने भी इनका समर्थन किया।

तथ्यों को तोड़मरोड़ कर नेहरू को बदनाम करने के लिए जनता और संसद से माफी मांगें मोदी: खरगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लोकसभा में संविधान पर चर्चा का जवाब देने के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को उनसे देशवासियों और संसद से माफी मांगने की मांग की। श्री खरगे ने सदन में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग की। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन आयरन लेडी कही जाने वाली इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके और बंगलादेश को आजाद करके तथा एक लाख सैनिकों को बंदी बनाकर इस देश को बचाया। इससे पूरी दुनिया में इस देश के गौरव का पता चला। आयरन लेडी ने बता दिया कि हमारे पास आये तो खैर नहीं। उन्होंने कहा कि एक आज का दिन है कि ये लोग वहां के अल्पसंख्यक को बचाने की कोशिश तो करे।

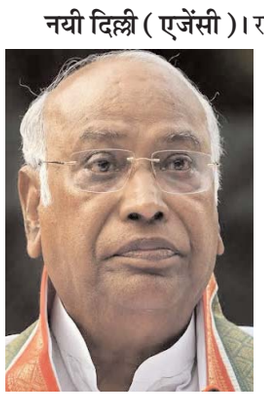

सरकार अनुपूरक मांगें तो ला रही है लेकिन भ्रष्टाचार नहीं रोक पा रही: विपक्ष

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष ने सोमवार को लोक सभा में कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के मामलों को रोक पाने में असफल रही है और अनुदानों की अनुपूरक मांगे ला रही है। कांग्रेस के के सी वेणुगोपाल ने वर्ष 2024-25 के लिये अनुदानों की अनुपूरक मांगे, प्रथम बैच पर चर्चा की शुरुआत करते हुये अडानी शेयर घोटाले का मामला उठाया और कहा कि जो प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड-सेबी की प्रमुख हैं, वह शेयरों में घोटाले की जांच कैसे कर सकती हैं, जब खुद उन पर इस मामले में आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार साठगांठ वाली पूंजीवादी व्यवस्था और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि अडानी मामले में लोगों के मन में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं और सरकार को इन सब सवालों का जवाब इस मामले की जांच के लिये संयुक्त संसदीय समिति-(जेपीसी) का गठन करके देना चाहिये।

2017 से सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक आई कमी: योगी

लखनऊ (एजेंसी)। संभल हिंसा पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी दलों को आइना दिखाते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कहा कि 2017 से लेकर अब तक प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक की कमी आई है। श्री योगी ने कहा कि 2017 से अब तक यूपी में दंगे नहीं हुए हैं, जबकि 2012 से 2017 के बीच अखिलेश यादव सरकार के कार्यकाल मेंप्रदेश में 815 सांप्रदायिक दंगे और 192 लोगों की मौत हुई। 2007 से 2011 के बीच 616 सांप्रदायिक घटनाएं हुईं, इसमें 121 लोगों की मौत हुई।

पृथ्वी शॉ को लेकर श्रेयस अय्यर ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ इन दिनों अपनी खराब फॉर्म को लेकर चर्चा में हैं। इन खराब फॉर्मे के बीच में उन्होंने अच्छी पारियां भी खेली हैं, लेकिन ज्यादा खराब फॉर्म के कारण उन्होंने सुर्खियां बटोरी हैं। अब मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने पृथ्वी शॉ को लेकर बड़ा बयान दिया है। जिसकी चर्चा चारों ओर चल रही है।

दरअसल, अय्यर ने साफ कर दिया कि पृथ्वी शॉ को खुद से अपने खेल में सुधार करना होगा। मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में मध्य प्रदेश को हराकर खिताब जीता था। इस जीत के बाद रिपोटर से बात करते हुए अय्यर ने पृथ्वी शॉ के बारे में कहा कि, मुझे निजी तौर पर लगता है कि वह गॉड गिफ्टेड प्लेयर हैं। एक व्यक्ति के पूर में उनके पास जितना टैलेंट है, उनता किसी के पास नहीं है। बात बस इतनी है कि उसे अपनी कार्य नैतिकता में सुधार करने की जरुरत है। उन्हें अपनी कार्य नैतिकता सही करने की जरूरत है। अय्यर ने आगे कहा कि, अगर वह ऐसा करते हैं तो आप जानते हैं कि उसके लिए आकाश ही सीमा है। क्या आप उन्हें मजबूर कर सकते हैं? मैं उस पर दबाव नहीं डाल सकता। उन्होंने काफी क्रिकेट खेला है, और सभी ने उन्हें इनपुट दिए हैं। आखिर में वहां जाना और खुद चीजों का पता लगाना उसका काम है। श्रेयस अय्यर ने आगे कहा कि, हम किसी को नहीं कर सकते। कोई भी पेशेवर जो इस लेवल पर खेल रहा है

जेसन गिलेस्पी ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्तान क्रिकेट में आए दिन कुछ न कुछ सुर्खियां चलती ही रहती हैं। कभी टीम के खिलाड़ियों के बीच आपसी नोकझोंक तो काफी बोर्ड द्वारा स्टाफ और कोच को बदलने की खबरे, पाकिस्तान क्रिकेट में ये आम सा है। हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट हेड कोच रहे जेसन गिलेस्पी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद अब गिलेस्पी ने खुद पद छोड़ने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। साथ ही पीसीबी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कभी भी उन्हें कोच के तौर पर नहीं चाहा गया था। उन्होंने ये भी कहा कि उनके और पीसीबी के बीच कम्यूनिकेशन क्लियर नहीं था और हाई परफॉर्मेंस कोच टिम नीलसन की बर्खास्तगी ने अंततः उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर किया।

एबीसी स्पोर्ट से बात करते हुए गिलेस्पी ने कहा कि, निश्चित रूप से चुनौतियां थीं। मैं इस पद पर खुली आंखों से गया था, मैं ये बात स्पष्ट करना चाहता हूं। मैं जानता था कि, आप जानते हैं पाकिस्तान ने बहुत कम समय में कई कोचों को बदल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि सबसे बड़ी समस्या ये थी कि ये एक मुख्य कोच के रूप में आप अपने नियोक्ता के साथ स्पष्ट संवाद करना पसंद करते हैं। मैं हाई परफॉर्मेंस कोच को न रखने के निर्णय से पूरी तरह से अचंभित था।

सिराज पर निशाना साधने को गावस्कर ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' का दोहरा चरित्र करार दिया

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने एडीलेड में दिन रात्रि टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ विवाद में मोहम्मद सिराज पर निशाना साधने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट 'पंडितों' के दोहरे चरित्र की आलोचना की है। पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने शतक पूरा करने के बाद डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था। हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की' लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस दावे से इनकार किया।

सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया। गावस्कर ने 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड'में कटाक्ष करते हुए लिखा, '' सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के 'पंडितों' से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है।''

उन्होंने लिखा, '' इससे ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक नाराज हो सकते हैं कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया।''

बल्लेबाजों ने फिर किया निराश, बारिश के खलल के बीच भारत ने 51 रन तक चार विकेट गंवाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में असमर्थ रहे जिससे मेहमान टीम तीसरे क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित तीसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी में 51 रन तक चार विकेट गंवाकर संकट में है। बारिश के लगातार खलल के बीच कई बार खेल रुका और फिर शुरू हुआ। जसप्रीत बुमराह ने 76 रन देकर छह विकेट चटकाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 445 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 405 रन से आगे खेलते हुए 40 रन और जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट भी गंवा दिए। एलेक्स कैरी ने 88 गेंद में 70 रन की पारी खेली। वह आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जबकि कल ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने विपरीत अंदाज में शतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर की

नींव रखी थी। स्टंप के समय भारत के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल 33 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा उनका साथ निभा रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 394 रन से पीछे है जबकि उसके सिर्फ छह विकेट शेष हैं और मेहमान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती फॉलोआन बचाने की है। ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर के जवाब में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (25 रन पर दो विकेट) ने दो और जोश हेजलवुड (17 रन पर एक विकेट) ने एक विकेट चटकाया जिससे भारत ने लंच तक 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (सात रन पर एक विकेट) ने दूसरे सत्र में ऋषभ पंत (09) का बड़ा विकेट लेकर भारत की हालत और खराब कर दी।

जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने, ईशांत शर्मा को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाबा टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान टीम भारत पर पूरी तरह से हावी नजर आ रही है। भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट पर पहली पारी में 51 रन बनाए थे और अभी कंगारू टीम से 394 रन पीछे है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे और भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेदंबाजी करते हुए 6 विकेट लिए।

बता दें कि, जसप्रीत बुमराह भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे औ इन 6 विकेट की मदद से उन्होंने कुछ शानदार रिकॉर्ड्स भई अपने नाम किए। बुमराह ने 6 विकेट लेकर अनिल कुंबले और इशांत शर्मा जैसे दिग्गज गेंदबाजों को पीछे छोड़ने में भी सफलता हासिल की। बुमराह ने 28 ओवर में 76 रन दिए और 6 विकेट लिए जबकि इस दौरान उन्होंने 9 ओवर मेडन भी फेंके।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं कि और गाबा की पहली पारी में 6 विकेट लेने के बाद वो टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। बुमराह ने कुंबले को पीछे छोड़ते हुए ये स्थान हासिल किया। बुमराह यहां पर अब तक 18 पारीयों में 50 विकेट ले चुके हैं जबकि कुंबले ने 18 पारियों में 49 विकेट लिए थे। इस लिस्ट में टॉप पर 21 पारियों में 51 विकेट लेकर मौजूद हैं। बुमराह गाबा की दूसरी पारी में अगर 2 विकेट ले लेते हैं तो वो कपिल से आगे निकल जाएंगे और टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन जाएंगे।

आशीष शेलार के महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बनने के बाद बीसीसीआई कोषाध्यक्ष का पद खाली होना तय

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आशीष शेलार के देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में कोषाध्यक्ष का पद खाली होना तय है। अक्टूबर 2022 में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष का पद संभालने वाले शेलार ने पिछले महीने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वांद्रे पश्चिम सीट जीतने के बाद नागपुर में कैबिनेट मंत्रियों में से एक के रूप में शपथ ली। उच्चतम न्यायालय ने 2016 में लोढ़ा समिति की सिफारिशों को लागू करते हुए फैसला सुनाया था कि कोई भी मंत्री और लोक सेवक बीसीसीआई का सदस्य नहीं बन सकता।

हालांकि शीर्ष अदालत ने सितंबर 2022 में बीसीसीआई को अपने संविधान में संशोधन करने की अनुमति दी थी जिसने विधायकों के लिए बोर्ड में पदाधिकारी बनने का रास्ता साफ कर दिया था। इसके बाद शेलार उसी साल अक्टूबर में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष बने थे। शेलार मौजूदा समिति के दूसरे अधिकारी हैं जो अपने पद से हटे हैं। इससे पहले जय शाह बीसीसीआई सचिव के पद से हटकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन बने थे।

टिम साउदी ने नहीं कर पाए ये कमाल, क्रेस गेल को पछाड़ने में रहे नाकामयाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जहां इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज गंवा चुकी न्यूजीलैंड की टीम तीसरे टेस्ट में मजबूत स्थिति में है। न्यूजीलैंड की टीम दूसरी पारी में 453 रन पर आउट हुई। इंग्लैंड को 658 रन का टारगेट मिला। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6 ओवर में 2 विकेट पर 18 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए 640 रन और चाहिए।

वहीं इंग्लैंड की हालात देखकर ऐसा लग रहा है कि, न्यूजीलैंड के दिग्गज खिलाड़ी टिम साउदी को जीत से विदाई मिलेगी। हालांकि, साउदी अपने आखिरी टेस्ट को यादगार बनाने से चूक गए। बल्लेबाजी में 2 और गेंदबाजी में 1 रिकॉर्ड वह अपने नाम कर सकते हैं। पहली पारी में 3 छक्के लगातार उन्होंने टेस्ट में छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल बराबरी कर ली थी।

टिम साउदी ने पहली पारी में 10 गेंद पर 1 चौके और 3 छक्के की मदद से 23 रन की पारी खेली थी। इस दौरान वह टेस्ट क्रिकेट में छक्का लगाने के मामले में साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी जैक कैलिस से आगे निकल गए। क्रिस गेल की बराबरी कर ली। दूसरी पारी में वह 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके साथ ही वह 100 छक्कों के रिकॉर्ड से

चूक गए। टेस्ट क्रिकेटर में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट के 100, ब्रेंडन मैकुलम के 107 और बेन स्टोक्स के नाम 133 छक्कों का रिकॉर्ड है।

टिम साउदी पहली पारी में एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। दूसरी पारी में उन्होंने 1 विकेट लिया है। उनके 390 विकेट हो गए हैं। पहली पारी में उन्होंने 3-4 विकेट लिए होते तो उनके पास 400 विकेट लेने न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज बन जाते। रिचर्ड हेडली ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 431 विकेट लिए हैं।

यशस्वी जायसवाल का पीछा नहीं छोड़ रहे मिचेल स्टार्क, आउट कर कंगारू गेंदबाज ने जीभ निकालकर चिढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच ब्रिसबेन में खेला जा रहा है। एडिलेड की तरह ब्रिसबेन टेस्ट में भी टीम इंडिया की हालत खस्ता नजर आ रही है। पर्थ टेस्ट मैच में 295 रनों से जीत के बाद भारतीय टीम इस सीरीज में काफी सुस्त नजर आई है। ऑस्ट्रेलिया ने दमदार वापसी की है। एडिलेड टेस्ट 10 विकेट से जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ब्रिस्बेन में भी खतरनाक नजर आ रही है।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में 161 रनों की यादगार पारी खेली थी और इस दौरान उनको मिचेल स्टार्क से पंगा लेते हुए देका गया था। यशस्वी ने स्टार्क को कहा था कि गेंद धीमी आ रही है। जिसके बाद तो स्टार्क यशस्वी के पीछे पड़ गए, पहले

एडिलेड और फिर ब्रिसबेन में स्टार्क ने यशस्वी को आउट किया।

पर्थ टेस्ट ही पहली पारी में यशस्वी बिना खाता खोले आउट हुए थे, इसके बाद एडिलेड टेस्ट की पहली पारी में तो गोल्डन डक का शिकार बने। जबकि ब्रिस्बेन टेस्ट में पहली पारी में वह चार रन बनाकर आउट हुए। स्टार्क ने ब्रिस्बेन में जायसवाल को आउट कर जीभ निकालकर सेंड-ऑफ दिया।

भारतीय पारी का आगाज करने केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल उतरे। जायसवाल ने स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया और चौका लगा दिया। जायसवाल को खुद पर भरोसा ही नहीं हुआ कि वह इस तरह का शॉट खेलकर आउट हो गए और स्टार्क की खुशी का ठिकाना नहीं था। स्टार्क ने मिडिल और लेग पर हॉफ-वॉली गेंद डाली, जायसवाल ने फ्लिक किया और गेंद सीधा गई शॉर्ट मिडविकेट पर खड़े मिचेल मार्श के हाथ में, जिन्होंने बेहतरीन कैच लपका। इस सीरीज में यशस्वी को पांच में से तीन बार स्टार्क ने ही आउट किया है, जबकि एक बार उनका विकेट मिचेल मार्श के खाते में जबकि एक बार स्कॉट बोलैंड के खाते में गया है।

ईशा गुहा ने जसप्रीत बुमराह से मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर ईशा गुहा ने ब्रिस्बेन के गाबा में भारत- ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को जसप्रीत बुमराह को प्राइमेट कहना भारी पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बुमराह से माफी मांगी है। बता दें कि, प्राइमेट का मतलब बंदर होता है। ऐसे में ईशा पर बुमराह को लेकर नस्लीय टिप्पणी करने का आरोप लगा। सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी बवाल हुआ।

दरअसल, गुहा ने बुमराह के पांच विकेट लेने के बाद दूसरे दिन फॉक्स क्रिकेट के लिए कमेंट्री करते हुए कहा था कि खैर, वह रूक्षक हैं, है न? मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट, जसप्रीत बुमराह। वह भारत के लिए पूरा योगदान देने वाले खिलाड़ी हैं और यही वजह है कि इस टेस्ट मैच से पहले उन पर इतना ध्यान दिया गया था। क्या वह फिट होंगे?

2008 के मंकीगेट कांड के दिनों से दोनों क्रिकेट टीमों के बीच ऐतिहासिक तनाव को

देखते हुए प्राइमेट शब्द का इस्तेमाल ने सुर्खियां बटोरी। हालांकि, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर गुहा ने तीसरे दिन खेल शुरू होने से पहले ऑन-एयर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि, कल कमेंट्री में मैंने एक ऐसा शब्द का इस्तेमाल किया जिसका कई अलग-अलग तरीकों से मतलब निकाला जा सकता है। सबसे पहले मैं किसी भी तह की ठेस के लिए माफी मांगना चाहती हूं। जब दूसरों के प्रति सहानुभूति और सम्मान की बात आती है तो मैंने खुद के लिए बहुत ऊंचे मानक तय किए हैं और अगर आप पूरी ट्रांसक्रिप्ट सुनें तो मेरा मतलब भारत के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक और ऐसे व्यक्ति की सबसे ज्यादा प्रशंसा करना था, जिसकी मैं भी बहुत तारीफ करती हूं।

ईशा ने आगे कहा कि, मैं समानता की समर्थक हूं और ऐसी व्यक्ति हूं जिसने अपना पूरा करियर खेल में समावेश और समझ के बारे में सोचने में बिताया है। मैं उनकी उपलब्धियों की विशालता को दर्शाने की कोशिश कर रही थी। मैंने गलत शब्द चुना है और इसके लिए मुझे गहरा खेद है। मैं दक्षिण एशियाई मूल की हूं इसलिए मुझे उम्मीद है कि लोग समझेंगे कि इसमें कोई और इरादा या दुर्भावना नहीं थी।

धान खरीदी केंद्र में यूट्यूबरों का बोलबाला, खुद को पत्रकार बताकर मचा रहे लूट

500 से लेकर 5000 रुपए तक की डीलिंग का दिखाते हैं असर किसानों की बदकिस्मती का मजा लूटने में मस्त कथित पत्रकार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में सहकारी समितियों द्वारा इन दिनों धान खरीदी का काम किया जा रहा है जिसमें भारी मात्रा में किसानों के धान की तुलाई कराकर शासन के खाते में खरीदी हो रही है मगर खरीदी केंद्रों में किसान को शासन को नुकसान पहुंचाने के तमाम जतन किए जाते हैं जिससे समितियों के मुखियाओं और आकाओं का पेट भरा जा सके जिसके कारण प्रत्येक खरीदी केंद्रों में किसानों के साथ लूट मची हुई है कही अधिक मात्रा में धान की तुलाई कराकर किसान को चुना लगाया जा रहा है तो कही प्रति बोरी तौलाई के नाम पर किसानों से 5 रुपए की राशि ली जा रही है जो जुड़कर लाखों रुपए तक पहुंचती है और फिर इससे सहकारी समितियों के कर्मचारी और अधिकारियों सहित कुछ छूटभये नेताओं और कथित पत्रकारों के भरण पोषण में उपयोग की जाती है

जिले में ऐसे ही कुछ नेता और यूट्यूबर कथित पत्रकार बनकर इन दिनों समितियों में अपना भौकाल दिखाते हुए किसानों से लूटी गई राशि को प्राप्त करने के लिए काम में जुटे हुए हैं। जो पहले तो समितियों को अपना संरक्षण देकर उन्हें किसानों को लूटने के लिए उकसाते हैं फिर उसमें अपना मैनेजमेंट बनाकर चल देते हैं।

दरअसल जिले भर में हो रही धान खरीदी इन दिनों छोटे मोटे नेताओं सहित यूट्यूबरों के लिए वरदान बनी हुई है जहां प्रत्येक खरीदी केंद्रों में जाकर यह लोग अपना धौंस जमाते हुए खरीदी प्रभारियों से पैसे की मांग करते हैं जिसमें कई जगह तो इन्हें रुपयों के बंडल से नवाजा भी जाता है मगर कई स्थान ऐसे भी है जहां के कर्मचारी अकेले ही मलाई चट करने की फिराक में रहते हैं और ऐसे स्थानों से इन्हें खाली हाथों ही लौटना पड़ता है।

बताया जा रहा है कि इस तरह के धौंस बाज लोग खरीदी केंद्रों में जाकर 500 रूपये से लेकर 5000 रूपये तक के मैनेजमेंट की बात करते हैं तथा जहां इनकी दाल गली और जेब में 500 रुपए आए तो फिर यह किसानों के दुख दर्द को भूलकर बाहर निकल जाते हैं ऐसे में अगर कोई किसान इन लोगों से अपनी समस्याएं बताता है तो उसकी परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है जिससे फिर वह किसान अन्य अच्छे लोगों को भी उसी लिस्ट में रखकर अपनी समस्याएं बताने से कतराता रहता है जिससे पुनः उसके साथ भारी भरकम लुट की जाती है।

जानकारी के अनुसार अभी हाल ही में एक खरीदी केंद्र में पहुंचे कुछ यूट्यूबरों (कथित पत्रकारों) का वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है जिसमें पहले तो वह किसानों का दुख दर्द सुनने का दिखावा करते हैं फिर खरीदी प्रभारी से 5000 रुपए की मैनेजमेंट रकम मांग करते हैं परंतु उक्त वीडियो में उन्हें खरीदी प्रभारी खाली हाथ लौटने की ही धमकी देकर उन्हें रवाना कर देता है।

आपको बता दें सहकारी समितियों में इन दिनों व्यापक पैमाने में लूट मची हुई है जहां किसानों से धान खरीदी केंद्र में पैसे का लेनदेन किया जाता है तथा उनसे नियम के विपरीत अधिक मात्रा में धान भी ले लिया जाता है मगर जिम्मेदार इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर पाते जिससे ऐसे धौंस बाज लोगों का दबदबा कायम हो रहा है।

केन्द्रीय जेल में वृद्ध बंदियों के लिए आयोजित हुआ कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केन्द्रीय जेल में नालसा, द्वारा मानव अधिकार दिवस समारोह में वृद्ध, बंदियों एवं असाध्य रूप से बीमार बंदियों के लिये एक विशेष अभियान का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन कर अभियान का आयोजन किया गया । विशेष अभियान मे 70 वर्ष से अधिक आयु के 25 बन्दियों तथा असाध्य बीमारी से ग्रसित 12 बंदियों को शामिल कर उन्हे निःशुल्क विधिक सेवाओं तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई । समिति में शामिल विधि विशेषज्ञों द्वारा बंदियों के अपील संबंधी जानकारी तथा स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई तथा उन्हे उचित सलाह प्रदान की गयी। नालसा, नई दिल्ली द्वारा संचालित इस विशेष अभियान का उद्देश्य जेल में निरूद्ध वृद्ध बंदियों एवं असाध्य रूप से बीमार बंदियों को आवश्यक विधिक एवं स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराना है। अभियान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गठित समिति के सदस्य अभय मिश्रा जिला विधिक अधिकारी, आनंद पाण्डेय डिप्टी चीफ लीगल एड काउन्सिल, अनीश कुमार पाण्डेय जेल विजिटिंग लायर, भीम सिंह पैरालीगल वालेंटियर, डॉक्टर पीयूष निगम, विवेक मौर्य, प्रियंका धाकड, जेल अधीक्षक सतीश उपाध्याय, उप अधीक्षक संजीव कुमार गेंदले, सहायक जेल अधीक्षक श्याम सिंह कुशवाह, फूलचंद दहायत, राजेश शुक्ला, उपेन्द्र द्विवेदी का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री जनकल्याण कार्यक्रम के शिविर का कलेक्टर ने किया भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन कर लोगों को शासन की हितग्राहीमूलक व जनकल्याणकारी योजनाओं से मौके पर ही लाभांवित किया जा रहा है। नगर निगम रीवा द्वारा वार्ड क्रमांक 14 नेहरू नगर एमपीईबी पार्क में आयोजित जनकल्याण शिविर का कलेक्टर प्रतिभा पाल ने भ्रमण किया तथा शिविर में प्राप्त आवेदनों व उन पर की गई कार्यवाही के विषय में जानकारी ली। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने पथ विक्रेता हेतु प्राप्त आवेदन सहित जलकर, भवन अनुज्ञा तथा पीएम सूर्य किरण योजना एवं अन्य नगर निगम से संबंधित सेवाओं के लिये प्राप्त आवेदनों के विषय में पूंछताछ की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि संबंधित जोन के पात्र हितग्राहियों को घर-घर जाकर योजनाओं का लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें। यदि कोई नवीन भवन निर्माणाधीन है तो उसका भी परीक्षण करें कि वह अनुज्ञा उपरांत ही निर्मित हो। कलेक्टर ने पेंशन योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को दिलाये जाने के निर्देश दिये। शिविर में वार्ड निवासी विमला कोल एवं रामबाई कोल ने पथकर विक्रेता के लिये ऋण प्रदाय किये जाने का अनुरोध कलेक्टर से किया। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को परीक्षण उपरांत समस्त कार्यवाही कर संबंधितों को योजना से ऋण प्रदाय किये जाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविरों में शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित मुख्यमंत्री जनकल्याणकारी अभियान तथा अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अन्तर्गत आयोजित किये जा रहे शिविरों में संबंधित क्षेत्र के शत-प्रतिशत हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभांवित करें तथा उन्हें शासन के कार्यक्रमों से भी अवगत कराते हुए लाभ लेने के लिये जागरूक करें। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जनकल्याण शिविर में सभी विभागीय अधिकारी अनिवार्यतः उपस्थित रहें तथा जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि शिविर स्थल के संबंधित क्षेत्र में विभागीय कर्मचारी व अधिकारी घर-घर जाकर शासन की योजनाओं से लोगों को लाभांवित करायें तथा शिविर में प्राप्त प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण भी हो।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों को संतुष्टि पूर्वक बंद करायें तथा मांग आधारित शिकायतों का निराकरण करें। उन्होंने 50 व 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों तथा चालू माह की शिकायतों को निराकृत करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि आगामी 23 व 24 दिसंबर को एल-1 अधिकारी व कार्यालय प्रमुख शिविर लगाकर शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण करायें। जिन विभागीय अधिकारियों को प्रगति न्यून होगी उनकी वेतनवृद्धि रोकने की कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने रीवा एवं रायपुर कर्चुलियान के जनपद पंचायतों के सीईओ की अधिक लंबित शिकायतें होने व लापरवाही बरतने पर वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिये। उन्होंने आयुष्मान योजना के हितग्राहियों के कार्ड बनाने तथा 70 वर्ष से अधिक व्यक्तियों को आयुष्मान योजना के कार्ड बनाने के लिये शिविर लगाने के निर्देश दिये तथा कहा कि आगामी एक सप्ताह में जिले को प्राप्त लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करायें।

बैठक में कलेक्टर ने धान उपार्जन की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा उपार्जन केन्द्रों से धान के परिवहन के निर्देश दिये। उन्होंने 6 वर्ष तक की आयु के दिव्यांग बच्चों के लिये परीक्षण कैंप आयोजित किये जाने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर ने ठण्ड से बचाव के लिये नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि भ्रमण कर देखें कि कोई खुले में न रहे यदि जरूरत हो तो अस्थाई रैन बसेरा की व्यवस्था करायें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत सपना त्रिपाठी सहित एसडीएम, सीईओ जनपद तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन आज सिरमौर में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय कर्मचारियों में आनंद की अनुभूति कराने एवं उनके दैनंदनीय कार्यों में सकारात्मकता के भाव में वृद्धि के उद्देश्य से जनपद स्तर पर अल्पविराम परिचय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने बताया कि सिरमौर में 17 दिसम्बर को राज्य आनंद संस्थान भोपाल के सहयोग से प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग के 10-10 प्रतिभागियों तथा स्वास्थ्य, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, कृषि व जन अभियान परिषद के पाँच-पाँच शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों सहित प्रत्येक जनपद में 60 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

उपार्जन केन्द्रों का अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जन केन्द्रों में धान की खरीदी की जा रही है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर सुव्यवस्थित खरीदी की मानीटरिंग के लिये जिले के समस्त अनुभाग के एसडीएम व संबंधित अधिकारी खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे है। अधिकारियों द्वारा धान खरीदी केन्द्र बरहुला, सगरा, क्योंटी, लौरीगढ़, व्यौहरा का निरीक्षण कर उपार्जन व्यवस्थाओं की जानकारी ली गयी तथा किसानों की शिकायतों का समाधान किया गया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने तुलाई, स्लॉट की उपलब्धता सहित किसानों को सुविधा के लिये पानी, छाया, अलाव, प्रकाश व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिये हैं कि खरीदी केन्द्रों में किसानों से उसी दिन खरीदी की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाय। जिस दिन वह धान बेंचने आते हैं।

कलेक्टर ने जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम को दिया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समर्थन मूल्य में धान खरीदी में लापरवाही बरतने पर जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम अशोक राजपूत को दो वेतनवृद्धियाँ असंचयी प्रभाव से रोकने और निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित करने का नोटिस दिया है। यह नोटिस मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत दिया गया है। जारी नोटिस के अनुसार जिला प्रबंधक द्वारा उपार्जित धान के परिवहन में लापरवाही बरती जा रही है। अधिकांश केन्द्र गोदाम स्तरीय होने के बावजूद उपार्जित धान का केवल 22.24 प्रतिशत परिवहन किया गया है। समय पर धान का उठाव न होने के कारण कई खरीदी केन्द्रों में कठिनाई आ रही है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए नोटिस दिया गया है। नोटिस का दो दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एक पय कार्यवाही की जाएगी।

जनकल्याण अभियान में 815 आवेदन मंजूर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में 15 दिसम्बर से प्रत्येक विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकाय के वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में आमजनता के आवेदनों पर मौके पर कार्यवाही करने के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिले में 15 दिसम्बर और 16 दिसम्बर को आयोजित शिविरों में कुल 1372 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए। इनमें से 815 आवेदन पत्र स्वीकार किए गए हैं। 526 आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। अलग-अलग कारणों से 31 आवेदन पत्र अमान्य किए गए हैं। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक ग्रामीण क्षेत्र में कुल 946 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 502 मंजूर किए गए हैं। विकासखण्ड त्योंथर में 517, रायपुर कर्चुलियान में 45, रीवा में 58, सिरमौर में 128, गंगेव में 51 तथा जवा में 147 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए हैं। इनमें से विकासखण्ड त्योंथर में 441, रीवा में 13, सिरमौर में 11 तथा जवा में 37 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। शहरी क्षेत्र में कुल 426 आवेदन पत्र प्रापत हुए हैं। इनमें से 313 मंजूर किए गए हैं। नगर निगम रीवा में 163, नगर पंचायत सिरमौर में एक, गुढ़ में 54, मनगवां में 9, गोविंदगढ़ में 8, सेमरिया में 56, चाकघाट में 33, त्योंथर में 22, डभौरा में 54 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 26 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से नगर निगम रीवा में 145, नगर पंचायत सिरमौर में एक, गुढ़ में 53, मनगवां में 9, गोविंदगढ़ में 2, सेमरिया में 52, त्योंथर में 4, डभौरा में 22 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 25 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। 16 दिसंबर को दुलहरा, राजगढ़ गंगहरा, लौआ, लक्ष्मणपुर, कपुरी, चौरा, बरा, पिपरवार, रामपुर, घटेहा, गढ़ी तथा नीवा व जनकहाई में शिविर आयोजित हुआ। शेष लंबित आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

हिनौती गौधाम के लिये पर्याप्त भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हिनौती गौधाम के लिये पर्याप्त भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करायें ताकि 25 हजार गौवंश के संरक्षण के लिये शेड निर्माण सहित अधोसंरचना निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्य कराये जा सके। उप मुख्यमंत्री ने गत दिवस बैठक में हिनौती गौधाम की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उनके संज्ञान में यह बात आयी कि गौधाम में उपलब्ध 133 हेक्टेयर भूमि में से राजस्व भूमि केवल 100 हेक्टेयर है शेष भूमि वन विभाग के दर्ज है। रीवा से सिंगरौली रेलवे लाइन निर्माण के लिए ली गयी सीधी और सिंगरौली जिले की वन भूमि के बदले हिनौती गौधाम में प्रस्तावित 100 हेक्टेयर राजस्व भूमि का कुछ भाग दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि गौधाम की 100 हेक्टेयर राजस्व भूमि में से वन विभाग को जमीन हस्तारित न की जाय इससे गौवंश के संरक्षण के लिए बनाये जा रहे गौवन्य विहार में जमीन कम पड़ेगी। इसके स्थान पर सिरमौर तहसील में पनगढ़ीखुर्द में उपलब्ध जमीन को वन विभाग को दिया जाय। उल्लेखनीय है कि गौसंवर्धन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष राजेश पाण्डेय के प्रयासों से हिनौती गौधाम में भूमि की पर्याप्त उपलब्धता के प्रयास किये गये। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के संज्ञान में भी इस बात को लाया गया। उप मुख्यमंत्री ने पाण्डेय को गौवंश वन्य विहार निर्माण की बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिये। बैठक में जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में समर्थन मूल्य पर अब तक 979544 क्विंटल हुई धान की खरीद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए पंजीकृत किसानों से जिले भर में बनाये गये 92 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। जिले में अब तक 15387 किसानों से अब तक 979544 क्विंटल धान की खरीद की गयी है। इस संबंध में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी खाद्य पीके पाण्डेय ने बताया कि अब तक की गयी खरीदी के लिए किसानों को 225 करोड़ 30 लाख 24 हजार 904 रूपये मंजूर किये जा चुके हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट बुक करके खरीदी केन्द्र और खरीदी के समय का निर्धारण करके समर्थन मूल्य पर धान दे सकते हैं। खरीदी के लिए अब तक 38 हजार 410 किसानों ने स्लॉट बुक कराये हैं। किसान खरीदी केन्द्रों में सुखाकर तथा साफ करके धान लायें जिससे गुणवत्ता के कारण धान के उपार्जन में किसी तरह की परेशानी न हो।

दो समिति प्रशासकों को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समर्थन मूल्य में धान उपार्जन में लापरवाही बरतने पर दो समिति प्रशासकों को कारण बताओ नोटिस दिया है। इन्हें दो वेतनवृद्धियाँ असंचयी प्रभाव से रोकने तथा निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित करने का नोटिस दिया गया है। यह कार्यवाही मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों के तहत की गई है। कलेक्टर ने समिति प्रशासक विकासखण्ड जवा विकास माठे तथा समिति प्रशासक त्योंथर अमरीश देव बघेल को नोटिस दिया है। खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था तथा किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने पर नोटिस दिया गया है।

बैंकों में अब सुबह 10 से शाम 4 बजे तक होगा लेन-देन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक जगमोहन कुमार ने बताया है कि रीवा जिले के सभी बैंकों में बैंकिंग के समय में एक जनवरी 2025 से परिवर्तन किया जा रहा है। बैंकों में एक जनवरी से सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक लेन-देन का कार्य होगा। यह व्यवस्था सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ ग्रामीण बैंकों में भी लागू रहेगी। राज्य स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति के निर्देशों के अनुसार बैंकों के बैंकिंग समय में परिवर्तन किया गया है। सभी बैंक शाखा प्रबंधक एक जनवरी 2025 से निर्धारित किए गए समय खण्ड में बैंकिंग का कार्य सुनिश्चित करें।

रोजगार मेले से 288 युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

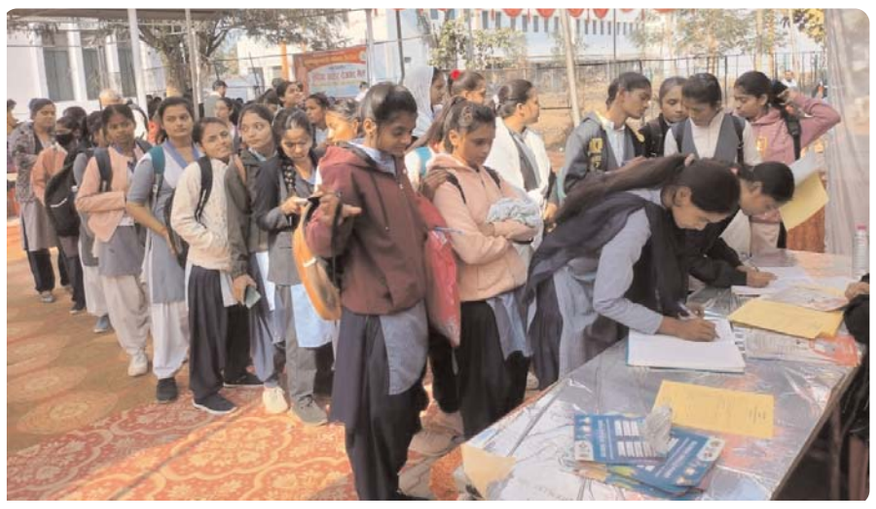

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया। इसमें 1040 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 10 निजी कंपनियों ने इनमें से 288 युवाओं का चयन किया है। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में एन.ए.पी.एस. कंपनी-सीरम हडपसर पुणे में 22, बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा. लि. (आईसेक्ट) इंदौर में 32, ग्रोफास्ट एग्रिटेक प्रा. लि. जबलपुर में 14, प्रगतिशील बायोटेक रीवा में 18, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा में 72, यशस्वी ग्रुप भोपाल में 48, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पूणे में 25, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा में 45 तथा लावा इन्टर नेशनल नोएडा में 12 आवेदकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये। रोजगार मेले के सफल आयोजन में टीआरएस महाविद्यालय के विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अच्युत पाण्डेय, संकल्प परौहा सहित, जिला रोजगार कार्यालय तथा महाविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वय से प्रयास किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।